RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार , 22 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 64 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी बढ़कर लगभग 96 फीसदी हो गई: केंद्र सरकार

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड पर आधारित एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी बढ़कर लगभग 96 फीसदी हो गई है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में मौजूदा पश्चिम एशिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे पास कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त सप्लाई है। उन्होंने बताया कि देश की मांग को पूरा करने के लिए हमारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। इसके अलावा रिफाइनरियों में एलपीजी का उत्पादन भी बढ़ा दिया गया है, जबकि देश में लगभग 46-47 हजार टन एलपीजी का उत्पादन हो रहा है। सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पिछले तीन दिनों में 1.32 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 1.34 करोड़ घरेलू एलपीजी सिलेंडर डिलीवर किए गए। इनमें से 96 फीसदी डिलीवरी डीएसी कोड का इस्तेमाल करके पूरी की गईं। 1 मई से अब तक कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 13,32,000 टन रही है, जबकि पिछले तीन दिनों में 23,588 टन एलपीजी बेची गई। संयुक्त सचिव ने बताया कि ऑटो एलपीजी की बिक्री 963 टन रही है, और लगभग 18.87 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए हैं।

तनाव वाले क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं: केंद्र सरकार

तनाव वाले क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, और पिछले 72 घंटों में किसी भी भारतीय झंडे वाले जहाज या भारतीय क्रू वाले किसी विदेशी जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। मुकेश मंगल ने संवाददाताओं को बताया कि डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने शुरू होने के बाद से अब तक 10,106 से ज्यादा कॉल और लगभग 22,215 ईमेल हैंडल किए हैं। इनमें से 404 कॉल और 903 ईमेल पिछले 72 घंटों में आए हैं। उन्होंने कहा कि डीजी शिपिंग के जरिए, मंत्रालय ने 3,300 से ज्यादा भारतीय नाविकों की सुरक्षित वतन वापसी में मदद की है, जिनमें से 99 नाविक पिछले 72 घंटों में वापस लौटे हैं। अतिरिक्त सचिव ने कहा कि पूरे भारत में बंदरगाहों पर काम-काज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी भीड़भाड़ की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मध्य-पूर्व के लिए शिपिंग की दरें भी कम हुई हैं।

होर्मुज सुरक्षा मिशन में नाटो की भूमिका पर फ्रांस ने जताई आपत्ति

पेरिस। होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच जहाजों की सुरक्षा को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच फ्रांस ने स्पष्ट किया है कि इस मिशन में नाटो की भागीदारी उचित नहीं होगी। फ्रांस का मानना है कि इस क्षेत्र की जटिल परिस्थितियों को देखते हुए समाधान के लिए अलग कूटनीतिक और सुरक्षा तंत्र अपनाए जाने चाहिए। फ्रांस के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि नाटो की मूल भूमिका उत्तर अटलांटिक क्षेत्र की सामूहिक सुरक्षा तक सीमित है और मध्य-पूर्व से जुड़े मामलों में उसकी प्रत्यक्ष भागीदारी को उपयुक्त नहीं माना जाता।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों के कल्याण और समुद्री ऑपरेशन्स में कोई रुकावट न आए, इसके लिए विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ लगातार तालमेल बनाए हुए है।

ग्रीन एक्सप्रेस-वे के चलते सड़क यात्रा का स्वरूप बदला : गडकरी

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में तेजी से विकसित हो रहे ग्रीन एक्सप्रेस-वे और नियंत्रित प्रवेश वाले राजमार्गों के कारण सड़क यात्रा का स्वरूप पूरी तरह बदल रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे बनने के बाद दोनों शहरों के बीच विमान सेवाएं लगभग बंद हो गई थीं और अब दिल्ली-देहरादून तथा दिल्ली-जयपुर मार्ग पर भी ऐसी स्थिति बन रही है, क्योंकि सड़क मार्ग से यात्रा समय काफी कम हो गया है। नितिन गडकरी ने अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया (एमचैम) के वार्षिक नेतृत्व सम्मेलन में कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान, कौशल और सफल कार्यप्रणालियां ही भविष्य की अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपत्ति में बदलना ही भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक मॉडल है और भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब परिपत्र अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से काम कर रहा है, जहां कचरे को संपदा में बदला जा रहा है।

नगरों के पुराने ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में हो रहा

सड़क परिवहन मंत्रालय नगरों के पुराने ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में कर रहा है। अब तक 90 लाख टन से अधिक ठोस नगर कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बायो-बिटुमिन पर सफल अनुसंधान पूरा हो चुका है और अब पेट्रोलियम बिटुमिन में 30 प्रतिशत तक बायो-बिटुमिन मिलाया जा सकता है। इसके अलावा उपयोग किए जा चुके टायरों से प्राप्त 15 प्रतिशत रबर पाउडर और सात प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग भी सड़क निर्माण में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से बनी सड़कें सफल साबित हुई हैं।

फलता पुनर्मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, शाम पांच बजे तक 86.11% मतदान

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार को हुआ पुनर्मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, शाम पांच बजे तक 86.11 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वैसे वोटिंग शाम 7:00 बजे तक हुई है इसलिए यह आंकड़ा और अधिक बढ़ने की संभावना है। दिन भर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं और तेज गर्मी व उमस के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर भारी उत्साह बना रहा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर तीन बजे तक ही 74.10 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके बाद अंतिम दो घंटों में भी बड़ी संख्या में मतदाता बूथों पर पहुंचे, जिसके चलते मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। शाम तक कहीं से किसी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली थी। फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराया गया। इनमें 261 मुख्य और 24 सहायक मतदान केंद्र शामिल थे। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए थे। केंद्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां तैनात की गई थीं, जबकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 30 त्वरित प्रतिक्रिया दल सक्रिय रखे गए थे।

आई बी की अपर निदेशक ने काशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा व्यवस्था को परखा

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जाएगा। मंदिर परिसर की परिधीय दीवारों की ऊंचाई बढ़ाने सहित आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

गुरुवार को अपर निदेशक आईबी विनीता शर्मा, पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल तथा अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) तरुण गाबा ने मंडलायुक्त एस. राजलिंगम और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के साथ धाम क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं जनसुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए धाम क्षेत्र की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अधिकारियों ने प्रमुख द्वार संख्या-4 के निकट प्रशासनिक भवन के पास से वैकल्पिक निकास मार्ग संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि गंगा द्वार और आसपास के क्षेत्रों से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम हो सके।

धाम क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मंदिर परिसर की परिधीय दीवारों की ऊंचाई बढ़ाने का निर्णय लिया गया। वहीं, भैरव गेट पर भीड़ नियंत्रण के लिए आधुनिक स्लाइडिंग गेट लगाने का प्रस्ताव रखा गया। गलियों और संवेदनशील मार्गों में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर निगरानी और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने धाम क्षेत्र में पुलिस, पीएसी, सीआरपीएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संवेदनशील स्थलों पर रूफटॉप ड्यूटी लगाने तथा ड्रोन, पीटीजेड कैमरों, वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम और एंटी-ड्रोन तकनीक के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। कंट्रोल रूम को अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करने और ब्लाइंड स्पॉट समाप्त करने के लिए एआई आधारित अतिरिक्त कैमरे लगाने की कार्यवाही की भी समीक्षा की गई।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश एवं निकास मार्गों पर चरणबद्ध बैरिकेडिंग और भीड़ प्रबंधन प्रणाली लागू करने पर बल दिया गया। आपात स्थिति से निपटने के लिए होल्डिंग एरिया विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। श्रावण मास और विशेष पर्वों के दौरान नो-व्हीकल तथा नो-मैन जोन लागू करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया।

बैठक में वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने, लंबी कतारों में वीडियो वॉल, आरती प्रसारण और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

गैर इरादतन हत्या की वांछित महिला गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । बुधवार को थाना पश्चिम शरीरा पर वादी शिव बालक पुत्र धनी निवासी पभोषा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरे पुत्र पप्पू को उसकी पत्नी गुड़िया ने दिनांक 18.05.2026 को पेट पर पत्थर से मार दिया था जिससे उसको गम्भीर चोट आ गयी थी एवं इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पश्चिम शरीरा पर तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया । उपरोक्त क्रम में गुरुवार थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा विवेचना के क्रम में साक्ष्य संकलन करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्ता गुड़िया देवी पत्नी स्व0 पप्पू निषाद निवासी ग्राम पभोषा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को पभोषा पहाड़ी के पास से गिरफ्तार किया।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 25 मार्च 2026 को थाना पश्चिम शरीरा पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री कल अपनी चचेरी बहन के साथ बाजार गयी थी और वापस नहीं आयी, काफी खोजबीन करने के वावजूद नहीं।

पीड़िता की बरामदगी के पश्चात बयान व सक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 87/65(1) बीएनएस व 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गयी। उपरोक्त क्रम में गुरुवार को थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस/सीडीआर की मदद से मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त लालचन्द्र उर्फ राजकुमार पुत्र बनवारी लाल गौतम निवासी ग्राम बरौली थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया है ।

शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 19 मई 2026 को थाना करारी पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त नवनीत पुत्र रघुवीर शादी का झासा देकर पीछले तीन वर्षों से मेरे साथ कई बार शारीरिक सम्बन्ध बनाये है । गर्भवती होने पर गर्भताप करने का दबाव बनाया गया एवं मना करने पर मेरे साथ मारपीट की गयी ।

गुरुवार को थाना करारी पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त नवनीत कुमार पुत्र रघुवीर निवासी अर्का फतेहपुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । दो दिन पहले थाना चरवा पर वादी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री को आरोपी शिवम बहला फुसलाकर भगा ले गया है एवं उसके घर पर जाकर इसका विरोध किया गया तो उनके द्वारा गाली गलौज किया गया । प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना चरवा पर मु0अ0सं0 116/26 धारा 137(2)/87/352 बीएनएस पंजीकृत किया गया था ।

थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त शिवम पुत्र स्व0 मधऊ निवासी ग्राम पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को बबूरा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है एवं पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया।

डीएम एसपी ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा-2026 गुरुवार को जनपद फतेहपुर के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा रही है। परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फतेहपुर पहुंचकर परीक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, अभ्यर्थियों की जांच प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा एवं केन्द्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों को आयोग के दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा परीक्षा को नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता एवं निष्पक्षता बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना ललौली पुलिस द्वारा शातिर अभियुक्त सचिन पटेल उम्र करीब 22 वर्ष पुत्र स्व0 शिवप्रकाश निवासी ग्राम हरीरामपुर थाना ललौली जनपद फतेहपुर को 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 01 जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया ।

राजीव गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण, जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई – गौरव

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । जनपद कौशाम्बी के मंझनपुर में जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व ड्ट राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई इस मौके पर ओसा स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच जाकर फल,मिठाई एवं दवाएं वितरित की गई कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के संचालक आलोक राय भी उपस्थित रहे इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि स्व ड्ट राजीव गांधी जी ने संचार और IT क्रांतिः भारत में कंप्यूटर, टेलीकॉम और सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार का श्रेय उन्हें ही जाता है । उन्होंने 'सी-डॉट' (C-DOT) की स्थापना की और पूरे

देश में पीसीओ (PCO) का जाल बिछाया,जिससे गाँव-गाँव तक संचार व्यवस्था पहुँची । पंचायती राज का सशक्तीकरणः सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए वे 73वें और 74वें संविधान संशोधन (पंचायती राज व्यवस्था) लेकर आए, जिससे गाँवों और शहरों में स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा और शक्तियां प्राप्त हुईं ।मतदान की आयु 21 से 18 वर्षः युवाओं को देश की मुख्यधारा की राजनीति में सीधे भागीदार बनाने के लिए उन्होंने 1989 में 61वें संविधान संशोधन के जरिए वोट देने की उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष कर दी । और तमाम देश के लिए हितकारी योजनाओं को बढ़ावा दिया! देश आज भी उनके द्वारा किए गए महान कार्यों को याद करता है आज उनकी पुण्यतिथि पर हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,जिला सचिव हेमन्त रावत, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,इंद्रपाल रैदास, बिफई लाल,रोहित सिंह,राहुल यादव,अनिल मिश्रा।

राहुल गांधी के रायबरेली संसदीय क्षेत्र आगमन पर जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने किया स्वागत

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। नेता विपक्ष राहुल गांधी जिलाध्यक्ष कौशाम्बी गौरव पाण्डेय ने रायबरेली में मुलाकात की उन्होंने जिले की राजनीतिक स्थिति और संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की राहुल गांधी को कौशाम्बी में संगठन सृजन अभियान की सफलता की रिपोर्ट बूथ स्तर तक

कार्यकताओं को जोड़ने और स्मार्ट मीटर,पेट्रोलियम पदार्थों में बेतहाशा वृद्धि महंगाई जैसे मुद्दों पर चल रहे आंदोलनों की जानकारी दी नेता विपक्ष ने जिले में कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए गौरव पाण्डेय के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने ने कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रहना चाहिए । मुलाकात के बाद जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि राहुल गांधी का मार्गदर्शन कार्यकताओं के लिए प्रेरणा है । राहुल गांधी देश में शोषित गरीबों की मजबूत आवाज हैं वो हमेशा देश की जनता के अधिकार की लड़ाई लड़ी है और आगे भी जन अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे . और हम सब उनके नेतृत्व में संघर्ष करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,पूर्व अध्यक्ष तलत अजीम,कोषाध्यक्ष अदील जाफरी,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

महिला से दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना असोथ? पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मनराज कुमार उर्फ मण्डराज निषाद निवासी ग्राम खाटू का डेरा मजरे सरकंडी थाना असोथर जनपद फतेहपुर उम्र 32 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
प्र0नि0 रमाशंकर सरोज थाना असोथ? .उ0नि0 प्रदीप शर्मा .हे0का0 विनय कुमार।

नाबालिग के साथ दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना राधानगर पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट थाना राधानगर जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अंकुल उर्फ हीरो विश्वकर्मा पुत्र शिवमंगल निवासी रमवा थाना राधानगर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
प्र0नि0 श्याम सुन्दर लाल श्रीवास्तव थाना राधानगर. उ0नि0 सत्येन्द्र कुमार. हे0का0 आलोक रंजन मिश्रा।

पीएम मोदी के विजन में बना स्पोर्ट्स का शानदार ईको सिस्टम : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप देश और देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 11-12 वर्षों में स्पोर्ट्स का शानदार ईको सिस्टम विकसित हुआ है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है तो खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के लिए सरकार हर कदम तत्परता से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पोर्ट्स के क्षेत्र में विकसित हुए बेहतरीन ईको सिस्टम का ही परिणाम रामगढ़ झील (रामगढ़ताल) भी है। 2017 के पहले जो रामगढ़ताल गंदगी और अपराध का गढ़ था, वहां आज रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के साथ एशियाड की तैयारी के लिए राष्ट्रीय महिला टीम की प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन संभव हुआ है।

सीएम योगी गुरुवार को रामगढ़ताल में रोइंग फेडरेशन आफ इंडिया की तरफ से आयोजित 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 20 राज्यों से आए रोइंग खिलाड़ियों की सहभागिता वाली इस प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले की स्थिति में जिस रामगढ़ताल की तरफ कोई आना पसंद नहीं करता था, वहां रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं युवाओं के भविष्य को संवारने के काम आ रही हैं। ताल का यही सही उपयोग है जहां से युवा अपने सामर्थ्य को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

सकारात्मक सोच और टीम भावना के साथ कार्य करता है खिलाड़ी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी ऊर्जा व शक्ति का सही दिशा में सकारात्मक उपयोग कर रहा हो, उस देश का भविष्य उज्ज्वल होता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हमेशा सकारात्मक सोच और टीम भावना के साथ कार्य करता है। वह नशा और नकारात्मकता से दूर रहकर, स्व अनुशासन के साथ समाज को सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ता है।

'चरैवेति-चरैवेति' ही जीवन का मंत्र

सीएम योगी ने कहा कि जब वह यहां मुकाबला देख रहे थे तब ताल में खिलाड़ियों के सामने तेज हवाओं को देखकर उनके मन में महान साहित्यकार सोहनलाल द्विवेदी की पंक्तियां याद आ गईं। उन्होंने कहा था।

आगामी त्यौहार ईद के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न थानों में पीस कमेटी की बैठकों का हुआ आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। एसपी के निर्देश में जनपद के सम्पूर्ण थाने में आगामी त्यौहार ईद के दृष्टिगत जनपद के थानों में पीस कमेटी की बैठकों का आयोजन क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों,धर्मगुरुओं एवं व्यापारियों के साथ संवाद स्थापित कर आपसी भाईचारा,सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील की गई ।पुलिस अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों से कहा गया कि त्यौहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा कोई भी संदिग्ध गतिविधि अथवा समस्या होने पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करने की अपील की गई ।बैठकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने,यातायात व्यवस्था सुचारु रखने एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपस्थित लोगों ने भी पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निवेशकों को सौंपेंगे आवंटन पत्र

सीएम के सरकारी आवास पर आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम, 17 निवेशकों को मिलेगा औद्योगिक आवंटन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार देश के सबसे आकर्षक निवेश गंतव्यों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 22 मई को मुख्यमंत्री राजधानी लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर निवेशकों को एक विशेष कार्यक्रम में आवंटन पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 17 निवेशकों को औद्योगिक आवंटन पत्र प्रदान करेंगे, जिससे प्रदेश में नए निवेश, रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

सायंकाल होने वाले इस कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता भी उपस्थित रहेंगे और निवेशकों को संबोधित करेंगे।

शिक्षा निदेशालय को सुधारने की कवायद शुरू

एडी माध्यमिक ने सभी अनुभाग के कर्मचारियों को समय से आने - जाने का दिया निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा निदेशालय प्रयागराज को पटरी पर लाने की कवायद जोर-शोर से शुरू हो गयी है। नवनियुक्त अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) मनोज कुमार द्विवेदी ने सभी अनुभागों के कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि सभी लोग प्रतिदिन समय से कार्यालय आये, सीट पर उपलब्ध रहे और समय से घर जाये लेकिन समय से कार्यालय ना आने और कार्यालय में उपस्थित ना होने पर सख्त कार्रवाई होगी। उप्र शिक्षा निदेशालय प्रयागराज है जिसमें 12 अनुभागों में 250 कर्मचारी है। ज्वाइंट अफसर फाइनेंस चार, तीन डिप्टी डायरेक्ट, क्लास वन और टू के अफसर मौजूद है। शिक्षा निदेशालय में कर्मचारियों के आने का समय सुबह 10 बजे और जाने का समय शाम चार बजे है

लेकिन कोई नियंत्रण ना होने से कर्मचारी बेलगाम हो गये है और आने और जाने का कोई समय नही है। इससे जहा कार्यालय में अव्यवस्था रहती है वही अपने काम के लिए आने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पडता है। बाहरी लोगों ने भी एडी माध्यमिक मनोज कुमार द्विवेदी से कर्मचारियों और पटल सहायकों के कार्यशैली की शिकायत की है। वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरिप्रकाश यादव ने कहा कि शिक्षा निदेशालय में बहुत ज्यादा सुधार की जरुरत है क्योंकि कर्मचारी और पटल सहायक बेलगाम हो गये है जो भ्रष्टाचार को बढावा देते हुए शिक्षक, कर्मचारियों को परेशान करते है और उनको अपने काम के लिए बार - बार कार्यालय का चक्कर लगाना पडता है।

नवनियुक्त अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि कार्यालय की स्थिति में शीघ्र सुधार होगा। समय से कार्यालय ना आने - जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

'संपादक देवीदत्त को मिल न सका वो सम्मान, जिसके वे थे हकदार'

पुण्यतिथि पर कर्मभूमि में याद किए गए सरस्वती के संपादक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। 'कलम के निर्भीक सिपाही पं० देवीदत्त शुक्ल ने ढाई दशक से ज्यादा ऐतिहासिक 'सरस्वती' पत्रिका का अनवरत संपादन कर इतिहास रचा, तो वहीं हिंदी-पत्रकारिता को नए आयाम भी दिए। अपने लंबे सम्पादन-काल में अपने गुरु आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए सदैव आमजन, उनके समाज, भाषा- संस्कृति के हित को प्राथमिकता दी।

यह बातें अखिल भारतीय साहित्य परिषद काशी प्रांत के संरक्षक डॉ० मुरार जी त्रिपाठी ने कहीं। श्री त्रिपाठी 'सरस्वती' पत्रिका के यशस्वी संपादक पंडित देवीदत्त शुक्ल की स्मृति में आयोजित समारोह में बीज - वक्तव्य दे रहे थे। कटरा के बजरंग पार्क में बुधवार को हुई उनकी पुण्यतिथि पर बड़ी शिद्दत के साथ यशस्वी संपादक देवीदत्त शुक्ल को याद किया गया। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

वक्ताओं ने कहा कि श्री शुक्ल हमेशा अंग्रेजियत के खिलाफ तथा राष्ट्रभाषा हिंदी के मान-सम्मान के लिए आवाज उठाते रहे। जब देखा कि राष्ट्रभाषा हिन्दी को हिन्दुस्तानी बनाने का कुचक्र हो रहा है, तब वे उसका प्रबल बौद्धिक विरोध करने में सबसे आगे रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने यह भी बताया कि एक सफल और प्रभावी संपादक के नाते उन्होंने शब्द अनुशासन पर जोर दिया तथा अन्य भाषाओं की अनूदित सामग्री से हिन्दी-पाठकों को परिचित व समृद्ध कराते रहे। पुण्यतिथि समारोह में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया।

कहा गया कि संपादक पं० देवीदत्त शुक्ल इसी मोहल्ले में किराए के एक मकान में रहकर सरस्वती का संपादन किया था। अब उनके परिजन अलोपीबाग में रहते हैं। अवनीश तिवारी ने समारोह में आए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि राजनीतिक-सामाजिक जीवन से इतर ऐसे साहित्यिक समारोह समाज के लिए चिन्तन और प्रेरणा के स्रोत होते हैं। संयोजक एवं भाजपा काशी प्रान्त उपाध्यक्ष अवधेश चन्द्र गुप्त ने कहा कि कटरा वासियों के लिए यह गर्व की बात है कि यह क्षेत्र श्रद्धेय पं० देवीदत्त शुक्ल एवं प्रख्यात कवि पं० सुमित्रानन्दन पन्त जैसी विभूतियों की साहित्य साधना-स्थली रही है। यह भी सौभाग्य की बात है कि आज जिस स्थान पर शुक्ल जी का स्मरण-वन्दन कर रहे हैं, उसके सामने ही शुक्ल जी रहते थे। यहां वे लगभग पचास वर्षों तक रहे। उनसे मिलने उसी घर में मुंशी प्रेमचन्द, राहुल सांकृत्यायन, डा० कैलाशनाथ काटजू जैसी विभूतियाँ आती थीं। उसी घर से उन्होंने 'चण्डी' पत्रिका का सन् 1942 के कुम्भ मेले के समय शुभारम्भ कराया था। व्रतशील शर्मा ने कटरावासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी गौरव-विभूतियों के प्रति ऐसे आयोजनों के माध्यम से जिस प्रकार अपना मान-सम्मान व्यक्त कर रहे हैं, वह स्तुत्य और अनुकरणीय है।

सभागार और भव्य प्रतिमा का प्रस्ताव को मिली सहमति

समारोह के अन्त में अवधेश चन्द्र गुप्त ने कटरा-क्षेत्र को गौरवान्वित करनेवाले सम्पादकाचार्य पं० देवीदत्त शुक्ल जी की स्मृति में एक सभागार तथा भव्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग की। उनके प्रस्ताव का सभी लोगों ने अपनी सहमति प्रदान की।

इस अवसर पर 'सम्पादक की वाणी' पत्रिका के पं० देवीदत्त शुक्ल स्मृति अंक का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन वेदप्रकाश पाण्डेय ने किया। श्री कटरा रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुधीर कुमार गुप्त ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विभूति द्विवेदी, रवीन्द्र मिश्र, अशोक कौशल, अभिषेक गुप्त, शेखर केसरवानी, अनुराग जायसवाल, रविशंकर जायसवाल, सुनील कुमार शुक्ल, वीरेन्द्र गुप्त, दीपक मिश्र, गोविन्द गोस्वामी, देवेन्द्र गर्ग, संदीप तिवारी, शुभम केसरवानी, प्रमोद गुप्त, आकाश शुक्ल, राहुल मिश्र, सौरभ, जितेन्द्र राय सहित अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

चकसाधोपुर में चल रहा है अखंड श्री हरि नाम संकीर्तन

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। विकास खंड के चकसाधोपुर जलालपुर गांव स्थित श्रीदुर्गा माता मंदिर पर पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 17 मई से 17 जून तक श्री हरि नाम संकीर्तन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गए हैं। जिसमें प्रतिदिन हवन, रुद्राभिषेक, श्रीरामचरितमानस पाठ तथा 24 घंटे अखंड श्री हरिकीर्तन चल रहा है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पंडित गणेश प्रसाद मिश्र ने बताया कि
पुरुषोत्तम मास के समान कोई मास नहीं और भगवान विष्णु से बढ़कर कोई देव नहीं। इस मास में किया गया जप, तप, दान और भक्ति अक्षय फल प्रदान करते हैं उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों से आयोजन में शामिल होकर पूर्ण लाभ अर्जित करने की अपील की है।

होलागढ़ पुलिस द्वारा पशु तस्कर को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

होलागढ़ । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना होलागढ़ पर पंजीकृत गौवध निवारण अधिनियम व धारा 11 पशु क्रुरता अधिनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विकास शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम सराय तालुके दहियावां बाजार थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत काशीपुर स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर गोवंशो की तस्करी हेतु डी0सी0एम0 वाहन Afa0-UP25 DT 7001 से जनपद प्रतापगढ़ से कैमूर(बिहार) ले जाने के दौरान दिनांक-10.04.2026 को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत पश्चिमनारा नहर पुलिया के पास गोवंशो से भरा वाहन फंस गया जिस कारण उपरोक्त अभियुक्त गोवंशो से लदे वाहन को छोड़कर वहां से भाग गये थे, जिसके सम्बंध में थाना होलागढ़ पर मु0अ0सं0-31/26 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था । मुकदमा उपरोक्त से सम्बंधित 05 अभियुक्तों को पूर्व मे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में तथा 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर बाल सुधार गृह भेजा जा चुका है ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 यशवन्त कुमार, थाना होलागढ़. रि0का0 बलिस्टर राय, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से लगाया जाये हेपेटाइटिस बी का बर्थ डोज-मण्डलायुक्त

पीडब्लूडी विभाग को नई सड़कों के निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए समय से निर्माण कार्य को पूर्ण किए जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरूवार को त्रिवेणी सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को संचालित योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने हिदायत दी है कि जिस भी विभाग की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम पायी जायेगी, ऐसे सम्बंधित अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सी व डी रैकिंग वाली योजनाओं से सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को योजनान्तर्गत प्रगति लाते हुए ए श्रेणी में लाए जाने के निर्देश दिए है।

बैठक में पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी गौशालाओं में हरे चारे की अनिवार्य रूप से व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को इसकी प्रतिदिन की रिपोर्ट मुख्य पशुचिकित्साधिकारी व अन्य सम्बंधित अधिकारियों से प्राप्त करने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को गौशालाओं का औचक निरीक्षण कराकर हरे चारे की उपलब्धता का सत्यापन कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि किसी गौशालाओं में हरे चारे की व्यवस्था नहीं पायी जाती है, तो सम्बंधित मुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने गौशालाओं में लू से बचाव के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए निर्देशित किया है।

मण्डलायुक्त ने निमार्णाधीन गौशालाओं का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को दो सदस्यीय टीम गठित कर भूसा संग्रहण स्थल का सत्यापन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सहभागिता योजना को और बढ़ाये जाने के लिए कहा है। जिन गौशालाओं में अभी तक सीसीटीवी कैमरे नहीं लग पाये है, उनमें तत्काल सीसीटीवी कैमरा लगाये जाने के निर्देश दिए है। पशुओं के कृत्रिम गभार्धान में फतेहपुर की प्रगति खराब पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने सम्बंधित से स्पष्टीकरण लिए जाने का निर्देश दिया है।

मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जननी सुरक्षा योजना के तहत संस्थागत प्रसव में जनपद प्रतापगढ़ में लक्ष्य के सापेक्ष संस्थागत प्रसव कम पाये जाने पर उन्होंने जिलाधिकारी को इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने सभी चिकित्साधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि जननी सुरक्षा योजना के तहत जिन लाभार्थियों का वेरीफिकेशन हो चुका है, उनका शत-प्रतिशत रजिस्टेज्शन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाये। मण्डलायुक्त ने इसमें सभी जिलों की प्रगति कम पाये जाने पर सभी मुख्य चिकित्साधिकारी को सत्यापित सभी लाभार्थियों का 15 दिन में अनिवार्य रूप से रजिस्टेज्शन कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने जेएसवाई योजना के तहत लाभार्थियों का शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। आयुष्मान कार्ड बनाये जाने में जनपद प्रयागराज की प्रगति कम पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने मुख्य चिकित्साधिकारी को आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने हाइपरटेंशन तथा शुगर जांच के कार्य की समीक्षा करते हुए सभी जिलाधिकारियों को सीएचओ कार्यालय का औचक निरीक्षण करने तथा सीएचओ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है तथा लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत जांच कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने हेपेटाइटिस बी का बर्थ डोज सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से लगाये जाने हेतु निर्देशित किया है। फैमिली प्लानिंग में जनपद फतेहपुर व प्रतापगढ़ में लक्ष्य के सापेक्ष कम पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने इसकी समीक्षा करने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया है।

मण्डलायुक्त ने पीडब्लूडी विभाग के द्वारा बनायी जा रही नई सड़कों के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए जनपद प्रयागराज, फतेहपुर और कौशाम्बी की प्रगति कम पाये जाने पर पीडब्लूडी विभाग को इसमें तेजी लाते हुए समय से निर्माण कार्य को पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया है। फैमिली आईडी बनाये जाने के कार्य की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रयागराज, कौशाम्बी और प्रतापगढ़ की प्रगति धीमी पाये जाने पर सम्बंधित मुख्य विकास अधिकारी को इसकी नियमित रूप से समीक्षा करते हुए इसमें तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा में कौशाम्बी एवं प्रतापगढ़ की प्रगति धीमी पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने सम्बंधित मुख्य विकास अधिकारी को इसमें तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर संयुक्त विकास आयुक्त, अपर निदेशक स्वास्थ्य, उप निदेशक पशुपालन तथा सभी जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार में सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान निर्देशित किया गया कि एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली सभी परियोजनाओं की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से पोर्टल पर सुनिश्चित की जाए, जिससे निर्माण कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने सभी प्रशासनिक विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं को अपनी मासिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से सीएमआईएस पोर्टल पर

अपलोड करना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ।

बैठक में सांसद निधि, विधायक निधि एवं अन्य विकास निधियों से संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान पूर्वांचल विकास निधि एवं सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-25 के अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही पूर्वांचल विकास निधि के वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्रस्तावित परियोजनाओं के संबंध में निर्देशित किया गया कि सभी विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्यों से 15 जून तक प्रस्ताव प्राप्त कर लिए जाएं तथा गत वर्ष आवंटित धनराशि में 10 प्रतिशत की वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्ताव तैयार किए जाएं। मंडल में संचालित सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह भी निर्देश दिए गए कि जिन जनपदों में अब तक मंडलीय टास्क फोर्स द्वारा निर्माण कार्यों का सत्यापन नहीं कराया गया है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन की कार्रवाई अतिशीघ्र पूर्ण कराई जाए। इसके साथ ही कार्यों की गुणवत्ता, मानक एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु नियमित निरीक्षण एवं अनुश्रवण पर विशेष बल दिया गया।

वन विभाग का "जंगलराज" विभाग कर रहा नवाबगंज में बड़े हादसे का इंतजार !

"धृतराष्ट्र" बने स्थानीय अफसरों का गैरजिम्मेदाराना रवैया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। वन विभाग में "जंगलराज" कायम है। विभाग के स्थानीय अधिकारी नवाबगंज चौराहे पर किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। बार बार की जाने वाली शिकायत नक्कारखाने में तूती की आवाज साबित हो रही है।

शासन -प्रशासन की नींद उड़ी, युद्धस्तर कार्रवाई पर जोर, वन विभाग ने ठेंगे पर रखा

विगत सप्ताह आंधी तूफान की प्राकृतिक आपदा से शासन और प्रशासन हिल गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युद्धस्तर पर अधिकारियों को राहत कार्य में जुड़ जाने के आदेश दिए। जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने इस आपदा से हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए अफसरों को राहत कार्य में जुट जाने को कहा। इतना ही नहीं, प्रदेश के जल शक्ति मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रयागराज में अफसरों की

बैठक लेते हुए फौरी राहत के निर्देश दिए थे। इन सबके बावजूद वन विभाग के स्थानीय अफसर में शासन प्रशासन के दिशा निर्देश को ठेंगे पर रखा।

हाईवोल्टेज बिजली के तार पर अटका नीम का पेड़, जनता कर रही शिकायत, विभाग बना काठ का उल्लू

प्रयागराज - लखनऊ राजमार्ग स्थित नवाबगंज चौराहे पर बैंक ऑफ बड़ौदा के ठीक सामने नीम का भारी भरकम पेड़ टूट कर हाई वोल्टेज बिजली के करंट प्रवाहित तार पर अटका हुआ है। पिछले एक सप्ताह से लगातार वन विभाग के इस पेड़ को हटाने की मांग की जा रही है लेकिन विभागीय स्थानीय अधिकारी इस गंभीर समस्या की तरफ से मुंह मोड़कर बैठे हैं। भीड़भाड़ वाली इस जगह पर बैंक ऑफ बड़ौदा, खरीदारों की भीड़ हमेशा बनी रहती है आशंका इस बात की की जा रही है कि कभी भी बिजली करंट प्रवाहित तार पर अटका या पेड़ गंभीर हादसे को अंजाम दे सकता है। इस समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से प्रभावी जांच और दोषियों को दंडित करने की मांग की है।

सरकारी सब्सिडी का प्रलोभन देकर छल करने वाला गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गुरुवार को थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा थाना सरकारी सब्सिडी का प्रलोभन देकर छल करने वाला गिरफ्तार से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सुशील कुशवाहा पुत्र राम नरेश कुशवाहा निवासी 16 क/7 क माधोपुर पट्टी खरकौनी थाना नैनी जनपद प्रयागराज स्थायी पता ग्राम बिहसड़ा थाना जिगना जनपद मिजार्पुर को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को विद्यावाहिनी बस स्टैण्ड के पास थाना क्षेत्र जार्जटाउन से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्त द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर वादी को वैज्ञानिक खेती का प्रलोभन दिया गया तथा कहा गया कि उसमें आने वाली लागत का 80 प्रतिशत सरकारी सब्सिडी वापस दिला दी जाएगी। वादी से अग्रिम के रूप में लगभग 50 लाख रुपए ले लिए गए थे।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

योगेन्द्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी जार्जटाउन, उ0नि0 विपिन गुप्ता, थाना जार्जटाउन कमिश्नरेट प्रयागराज ।

समस्त थानों की मिशन शक्ति टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5 .0' अभियान

नारी शक्ति का नया आयाम –उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा का नया अध्याय

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में गुरुवार को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों/मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर

महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताकर जागरुक किया गया । टीम द्वारा बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया एवं सोशल मीडिया को सावधानी पूर्वक प्रयोग करने के लिये भी सुझाव दिया गया । किसी भी शोहदों द्वारा परेशान करने पर तत्काल डायल-112 अथवा मिशन शक्ति टीम से शिकायत करने करने को बताया गया । मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे पुलिस आपात सेवा-112, वूमेन पावरलाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 व मिशन शक्ति केन्द्र आदि के बारें में जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा पम्पलेट वितरित किया गया ।

सपा - कांग्रेस के मुखिया में चल रही अमर्यादित टिप्पणी की होड़, जनता देगी जवाब: संजय गुप्ता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह पर की गई विवादित आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ा विरोध जताते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा है कि सपा मुखिया व कांग्रेस के युवराज में अमर्यादित टिप्पणी को लेकर परस्पर होड़ चल रही है। आने वाले समय में जनता इनको खुद जवाब देगी। कहा कि विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति की जननी कांग्रेस के 'युवराज' की अमर्यादित टिप्पणी उनकी नकारात्मक राजनीति, असंयमित सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनके अनादर को प्रदर्शित करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति उनकी निंदनीय टिप्पणी 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश, विश्वास और लोकतांत्रिक संस्कारों का भी अपमान है। श्री गुप्ता ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को अपने आपत्तिजनक, असंसदीय और कुंठाजनित वक्तव्य के लिए समूचे देश से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए। देश नक्सलवाद से तो मुक्त हो चुका है, लेकिन राजनीति में छिपा 'अर्बन नक्सलवाद' किसी बड़े खतरे से कम नहीं है। लोकतंत्र की आड़ में सेना, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रवादी विचारधारा को बदनाम करने की मानसिकता को देश की जनता पहले ही आईना दिखा चुकी है।

प्रधान संघ अध्यक्ष फूलपुर योगन्द्र भारतीय का आकस्मिक निधन

बड़ी संख्या में ग्राम प्रधानों सहित जनप्रतिनिधियों ने उनके आवास पर पहुंच कर परिजनों को बंधाया ढाढस

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड के भमई हुसामगंज गावं निवासी योगेंद्र भारतीय तीसरी बार प्रधान होने के साथ ही फूलपुर विकास खण्ड के अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन के संघर्षशील अध्यक्ष रहे। उनकी लोकप्रियता और स्वभाव की चर्चा जनप्रतिनिधियों में शुमार रही। आकस्मिक निधन पर गुरूवार को क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जिसमें स्थानीय ग्रामीणों के साथ जन प्रतिनिधियों ने उन्हें नम आखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधान संघ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी वा प्रदेश सचिव जगदीश कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान सहित अन्य शुभचिंतकों ने उनके दाह संस्कार में शामिल हुए। उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने कहा की योगेंद्र भारतीय का असमय निधन होना विकास खण्ड सहित क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है।

फूलपुर विकास खण्ड के भमई हुसामगंज के वर्तमान प्रधान योगेंद्र भारतीय की गुरूवार बीती रात ह्दय गति रूक जाने से निधन

हो गया। मौत की खबर पर क्षेत्र में हडकंप मच गया। सुबह होते ही विकास खंड सहित दूर दराज के जनप्रतिनिधियों के साथ ही बडी संख्या में ग्रामीण एवं उनके शुभचिंतको ने उनके निज आवास पर पहुंच कर अपनी गहरी संवेदना ब्यक्त की। गुरूवार को शहीदागंज घाट पर पूरे विधि विधान के साथ उनके पार्थिव शरीर का दाह संस्कार किया गया। ग्रामीणों ने बताया की योगेंद्र भारतीय मिलनसार प्रवृत्ति एवं अच्छे ब्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। ग्राम प्रधान के रूप मे उन्होंने गावं के विकास एवं जन समस्याओ के समाधान के लिए अतुलनीय प्रयास किए। उनके कार्यकाल में गावं का चहुमुखी विकास हुआ नतीजन गावं की जनता ने उन्हें कई बार गावं की बागडौर सौपी थी।

योगेंद्र भारतीय अपने पीछे चार पुत्र एवं तीन पुत्रियों को छोड़ गए। सात संतानों में से सिर्फ 2 पुत्रियों की शादी हुई है वहीं बेटे उच्च संस्थानों से प्रसासनिक सेवाओं की तैयारी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया की अभी कुछ माह पहले ही उनकी पत्नी का भी देहांत हो गया था। प्रधान संघ के मौजीलाल रावत ने बताया की जनता की आवाज को उठाने के साथ ही प्रधानों के अधिकारों के प्रति सजगता के चलते ही उन्हें फूलपुर विकास खण्ड में प्रधान संघ का अध्यक्ष चुना गया था। प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य सिद्ध नाथ मौर्य वा ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिह पटेल, श्याम बाबू गुप्ता , यशवंत यादव, धर्मेन्द्र गुप्ता, हरिओम प्रकाश, विजय चन्द्र विश्वकर्मा, राम कैलाश यादव ऊर्फ बब्लू सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या मे ग्रामीण मौजूद रहे।

संपादकीय

पांच राज्यों के बाद इंडिया गठबंधन की खुली कलई

देश की राजनीति में विपक्षी एकता के बड़े दावे के साथ बना इंडिया गठबंधन अब लगातार अंतर्विरोधों और नेतृत्व संकट से जूझता दिखाई दे रहा है। जिस गठबंधन को लोकतंत्र बचाने और सत्तारूढ़ दल को चुनौती देने के उद्देश्य से तैयार किया गया था, वही आज आपसी अविश्वास, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और विचारधारात्मक टकराव का शिकार बनता जा रहा है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल सत्ता विरोध की राजनीति किसी गठबंधन को लंबे समय तक जीवित नहीं रख सकती। वहीं बड़े स्तर पर आपसी बैठक व अपने मनमुटाव दूर कर गठबंधन का धर्म निभायें नहीं तो वो दिन दूर नहीं कि यह विपक्षी राज्यस्तर वार धीरे धीरे अपनी भूमि भी खो बैठेंगे?

इंडिया गठबंधन का पूरा नाम इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस है। हिंदी में इसे भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन कहा जाता है। इसकी स्थापना 18 जुलाई 2023 को इस उद्देश्य के साथ की गई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ एकजुट होकर हराना है ताकि सत्ता हासिल की जा सकें जिसमें कुछ हद तक २४० तक रोकने में सफल हुए। इस गठबंधन में लगभग ३० विपक्षी दल थे। लोकसभा के बाद राज्यों में यही विपक्षी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप में मसगूल होकर जीतने चले थे लेकिन मिला क्या ? विपक्षी पार्टी के मुख्य चेहरे जो पार्टियां के मुख्य भी हैं वह अपने दल को भी हरा बैठे और यहां तक की खुद भी हार गये। यानि हारने के बाद फिर इंडिया गठबंधन की याद आने लगी।

गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका स्पष्ट नेतृत्व न होना है। अलग-अलग राज्यों में दलों की अपनी-अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। बंगाल में अपनी राजनीति को प्राथमिकता देती हैं, तो दिल्ली और पंजाब के समीकरणों को लेकर अलग रणनीति अपनाते हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी सहयोगी दलों में पूर्ण सहमति दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप गठबंधन का साझा एजेंडा लगातार धुंधला पड़ता जा रहा है। विपक्षी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर पैदा होने वाले विवादों ने भी गठबंधन की कमजोरी उजागर कर दी है। कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते नजर आए।

इससे जनता के बीच यह संदेश गया कि गठबंधन केवल चुनावी मजबूरी का प्रयोग है, न कि किसी वैचारिक प्रतिबद्धता का मंच।

लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष आवश्यक होता है, लेकिन विपक्ष तभी प्रभावी बन सकता है जब उसमें स्थिरता, स्पष्ट नीति और भरोसा हो। जनता अब केवल सरकार विरोधी नारों से संतुष्ट नहीं होती। देश के मतदाता रोजगार, महंगाई, विकास, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस दृष्टिकोण चाहते हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों पर एकजुट होकर विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत नहीं कर पाता, तो उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता सीमित रह जाएगी। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस, संयुक्त बैठकें और सोशल मीडिया अभियान किसी गठबंधन को जनआंदोलन का स्वरूप नहीं दे सकते। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष आत्ममंथन करे। यदि इंडिया गठबंधन और उसके सहयोगी दल वास्तव में लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर साझा राष्ट्रीय दृष्टि प्रस्तुत करनी होगी। अन्यथा इंडिया गठबंधन की खुली कलई आने वाले समय में उसकी राजनीतिक विश्वसनीयता को और कमजोर कर सकती है।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है झ्र वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था।

अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने ह्यरोटी और कमलह्व जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था झ्र देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं।

आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं।

चारधाम यात्रा की पीड़ा

सीता राम शर्मा चेतन

आध्यात्म और धर्म हिन्दू और हिन्दुस्तान की आत्मा है और इसलिए हिन्दुस्तान विश्व की आत्मा है ! यह सत्य जो स्वीकार नहीं कर पा रहे संभवतः इसी सदी में वे इसे ज्यादा गहराई से ना सिर्फ स्वीकार करेंगे अपितु इसके प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे ! हिन्दुस्तान में जब धर्म और आध्यात्म की चर्चा होती है तो स्वाभाविक रूप से उसमें हिमालय का चिंतन-मनन और मंथन प्रमुखता से होता है और हिमालय का नाम लेते ही उसके चारधाम का विचार अवश्यमेव आता ही है । हिन्दुस्तान में चारधाम यात्रा करना जीवन को सार्थक करने का पर्याय माना जाता है । आदिकाल से ही साधु-संतों, साधकों और धर्मावलम्बियों के लिए हिमालय आध्यात्मिक साधना और उसके दिव्य आनंद, परिणाम को प्राप्त करने का मुख्य धर्मक्षेत्र रहा है ! असंख्य जीवों, साधकों ने इस क्षेत्र में ना सिर्फ घोर जप-तप किया है बल्कि ईश्वर का साक्षात्कार, संग और आशीर्वाद प्राप्त कर अपने मानवीय जीवन को सार्थक कर लिया है ! आज जिक्र उसी हिमालय की दूसरी बार की गई यात्रा का ।

हिमालय के चारधाम यात्रा का पहला सुयोग मुझे 2012 में मिला था । निःसंदेह तब की गई वह यात्रा आध्यात्मिक अनुभूति और आनंद से परिपूर्ण थी ! मार्ग थोड़ा दुर्गम था पर यात्रा का महत्व सुगम था क्योंकि तब चारधाम यात्रा अधिकांश वही लोग करते थे जिनका आध्यात्म और ईश्वर से सरोकार ज्यादा था । जो सचमुच स्वंय में या समक्ष ईश्वर की अनुभूति करना चाहते थे । उस यात्रा का आनंद और उल्लास पिछले चौदह वर्षों तक सांसो में बसा रहा पर आज जब दूसरी बार यात्रा कर लौटा हूं तब स्थिति बिल्कुल विपरीत है । मन बेहद उदास-हताश और आक्रोश से भरा है । जबकि अब यात्रा पहले से बहुत ज्यादा सुविधाजनक हो गई है।

सुविधाजनक होने के बाद उदास-हताश और आक्रोश से भरे होने का कारण स्पष्ट करना भी अत्यंत पीड़ादायक है । अनगिनत वृक्षों को काट कर और पर्वतों की छाती छिलकर बनाए गए चौड़े मार्ग सुकून से ज्यादा पीड़ादायक हैं । गायब हुए कलकल करते झरने आंखों से अश्रु झरने बहाने के लिए विवश करते हैं । मार्ग में जगह-जगह बहते निर्मल मीठे पानी की जगह अब सरकार की आर्थिक विकास वाली अंध कृपा से हर जगह उपलब्ध रंगीन नशीली शराब और केमिकल युक्त बोतलबंद पानी ने ले ली है ! आध्यात्मिक मार्ग को बाधित करने के लिए शराब ही नहीं मांसाहार भी सर्वत्र सहज उपलब्ध है ! यात्रा को महत्वहीन और पीड़ादायक बनाने का शेष काम उस भीड़तंत्र ने पूरा कर दिया है जिसका आध्यात्म और धर्म से सरोकार संभवतः या तो नहीं है और है तो औपचारिकता भर का है, जो कुछ वास्तविक श्रद्धालु भक्तों, साधकों के लिए भी उनकी इस अति महत्वपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा में विक्षेप और विक्षोभ ही उत्पन्न करता है ।

चारधाम यात्रा अब आध्यात्मिक यात्रा ना होकर पर्यटन, भ्रमण, मनोरंजन और मौज-मस्ती की यात्रा बन चुकी है । संक्षिप्त में कहें तो अब यह सप्ताह-दस दिन की पिकनिक वाली यात्रा बनती जा रही है । ईश्वर दर्शन की अभिलाषा अब सेल्फी प्रदर्शन की लालसा के अधीन है । कुल मिलाकर चारधाम यात्रा में अब धर्म अधर्म और संस्कार कुसंस्कार का रूप लेता जा रहा है । इसे रोकना होगा । कैसे ? इसका एक छोटा सा उपाय धारी देवी मंदिर के प्रांगण में व्यवस्थापक के द्वारा किए जा रहे अनाउंसमेंट से सूझा, जब दर्शन की कतार में खड़े लोगों को सचेत करते हुए यह कहा जा रहा था झ्र सभी भक्तों से विनम्र आग्रह है कि आप अपना मोबाइल अपनी जेब में रखें । कृप्या मंदिर स्थल को सेल्फी स्थल ना बनाएं अन्यथा आपका मोबाइल जब्त कर लिया जाएगा । बीते हुए कल में भी दस मोबाइल जब्त किए गए थे । हालाकि वह आग्रह असरहीन ही लगा पर सख्ती से असरदार अवश्य सिद्ध होगा । मुझे लगता है कि यदि इस यात्रा पर नशामुक्त, शाकाहार युक्त और बिना कैमरे वाले फोन के साथ यात्रा करने का कठोर नियम लागू किया जाए तो ना सिर्फ इस यात्रा के वास्तविक सुपात्र एंव योग्य श्रद्धालु भक्तों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण, पवित्र, सार्थक और उपयुक्त यात्रा सिद्ध होगी बल्कि उससे नशेड़ी, कुपात्र, निकृष्ट, अयोग्य और मनचले तथा महज पर्यटक बने लोगों से भी इस धर्मक्षेत्र की पवित्रता, मयार्दा और सार्थकता की रक्षा होगी । रही बात इस धर्मक्षेत्र में रह रहे लोगों के विकास की तो इन दिनों लगभग पूरे देश भर के राज्यों में जिस तरह जनता के विकास और सुविधा के नाम पर सरकारी कोष का दुरुपयोग किया जा रहा है, देश, विशेषकर हिन्दुओं के इस पवित्र धर्मक्षेत्र की रक्षा और मयार्दा के लिए राज्य और केंद्र सरकार को वहां के लोगों के लिए विशेष आर्थिक सहयोग राशि के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य की उच्चस्तरीय सुविधा पूर्णतः मुफ्त मुहैया करानी चाहिए । रही बात वहां के लोगों के खान-पान की स्वतंत्रता की रक्षा की तो जागरूकता लाते हुए स्थानीय लोगों को इसकी स्वतंत्रता दी जाए पर सार्वजनिक रूप से शराब और मांसाहार की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होना ही चाहिए । भारतीय हिन्दू और धर्मक्षेत्र से जुड़ी बिरादरी और संगठनों, संस्थाओं को समय रहते इस पर विचार करना आवश्यक है अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब ये तीर्थस्थल या तो स्वतः ही लुप्त हो जाएंगे या फिर 2013 की तरह या उससे कहीं ज्यादा भयावह रूप से ऐसी त्रासदी लाएंगे कि सरकारी एंव मानवकृत विकास के सारे दंभ को पल भर में मटियामेट कर देंगे । अ

ंत में एक अत्यंत आवश्यक और विचारणीय बात देश भर के तीर्थ स्थलों के लिए यह कि पिछले कुछ वर्षों में देश भर के देव स्थलों में जिस तरह वीआईपी दर्शन की व्यवस्था की जा रही है उसे त्वरित बंद करने की जरूरत है । हेलिकॉप्टर सेवा का तो कोई औचित्य ही नहीं । विश्व के प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक क्षेत्र के रुप में हिन्दुस्तान में ईश्वरीय स्थलों पर आधुनिक और विकसित कहे जाने के लिए देव स्थलों का विकास तो उचित है पर वीआईपी दर्शन की व्यवस्था सर्वथा अधार्मिक, अन्यायपूर्ण और अनुचित है, जिस पर सरकार और इस देश के हिन्दुओं को, विशेषकर धर्मगुरुओं और धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों को त्वरित विचार और व्यवहार करना, कराना चाहिए । आशा है आलेख के विचार और चिंतन पर सरकार
और हिन्दू बिरादरी गंभीरतापूर्वक विचार अवश्य करेगी ।

ज्ञान के मंदिर पर बाजार का कब्जा

डॉ विजय गर्ग

आज का विद्यालय केवल ज्ञान का मंदिर नहीं रह गया है; उसकी चौखट पर बाजार खड़ा दिखाई देता है–सजधज कर, आकर्षक पैकेजिंग के साथ, और अपने विस्तार की असीम संभावनाओं के साथ। कभी शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, नैतिकता और समाज निर्माण से जुड़ा था, परंतु अब धीरे-धीरे यह एक सेवा से उत्पाद में बदलती जा रही है। इस परिवर्तन ने शिक्षा के मूल स्वरूप को चुनौती दी है, और यह प्रश्न उठाया है कि क्या हम वास्तव में सीख रहे हैं, या केवल खरीद रहे हैं?

विद्यालयों के बाहर कोचिंग संस्थानों, गाइड पुस्तकों, डिजिटल ऐप्स और निजी ट्यूशन का जाल फैल चुका है। यह पूरा तंत्र बच्चों और अभिभावकों को यह विश्वास दिलाता है कि बिना इन अतिरिक्त साधनों के सफलता संभव नहीं। परिणामस्वरूप, स्कूल में होने वाली पढ़ाई का महत्व घटने लगता है। छात्र कक्षा में उपस्थित तो रहते हैं, पर उनका ध्यान अक्सर उस बाजार की ओर होता है जो उन्हें तेज, आसान और सुनिश्चित सफलता का वादा करता है।

बाजार की यह घुसपैठ केवल शैक्षणिक सामग्री तक सीमित नहीं है। आज स्कूलों में ब्रांडेड यूनिफॉर्म, महंगे बैग, विशेष किताबें, और अनिवार्य गतिविधियों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क–ये सब मिलकर शिक्षा को महंगा और असमान बना रहे हैं। शिक्षा का अधिकार तो सबको है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब धीरे-धीरे केवल उन लोगों तक सीमित होती जा रही है जो इसे अफोर्ड कर सकते हैं। इससे समाज में एक नया वर्ग विभाजन उत्पन्न हो रहा है–शिक्षा आधारित असमानता। डिजिटल क्रांति ने भी इस बाजार को और मजबूत किया है। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, एड-टेक कंपनियाँ और वर्चुअल क्लासेस ने शिक्षा को तकनीकी रूप से उन्नत तो बनाया है, लेकिन इसके साथ ही शिक्षा का व्यावसायीकरण भी बढ़ा है। विज्ञापन यह बताते हैं कि स्मार्ट लर्निंग ही सफलता की कुंजी है, जबकि वास्तविकता यह है कि तकनीक केवल एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं।

इस परिदृश्य में सबसे अधिक प्रभावित होता है–शिक्षक और छात्र का संबंध। शिक्षक, जो कभी मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हुआ करता था, अब कई बार केवल एक सेवा प्रदाता के रूप में देखा जाने लगता है। वहीं छात्र, जो जिज्ञासु और खोजी होना चाहिए, वह अंकों और रैंकिंग के दबाव में अपनी मौलिकता खोने लगता है। शिक्षा का मानवीय पहलू धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है।

यह भी सच है कि बाजार पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। उसने शिक्षा में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाया है। लेकिन जब बाजार का उद्देश्य केवल लाभ कमाना हो जाए, और शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है। संतुलन का अभाव ही सबसे बड़ी चुनौती है।

आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा को फिर से उसके मूल उद्देश्य से जोड़ें। स्कूलों को केवल परीक्षा परिणामों का केंद्र न बनाकर, उन्हें विचार, संवाद और सृजन का मंच बनाना होगा। सरकार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा सुलभ, समावेशी और मूल्य आधारित बनी रहे।

अभिभावकों को भी इस भ्रम से बाहर निकलना होगा कि अधिक खर्च का अर्थ बेहतर शिक्षा है। बच्चों को यह समझाना होगा कि सीखना एक प्रक्रिया है, न कि कोई उत्पाद जिसे खरीदा जा सके। शिक्षकों को भी अपने भूमिका को पुनः परिभाषित करना होगा–वे केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक हैं।

शिक्षा का कमर्शियलाइजेशन: एक कड़वी सच्चाई

आधुनिक स्कूलों में अब केवल पढ़ाई नहीं बिकती, बल्कि सुविधाओं का एक पूरा पैकेज बिकता है। स्कूल अब एक शैक्षणिक संस्थान कम और एक कॉर्पोरेट ऑफिस ज्यादा नजर आते हैं।

एडमिशन का खेलः भारी-भरकम डोनेशन और डेवलपमेंट फीस के नाम पर अभिभावकों की जेबों पर डाका डाला जा रहा है।

यूनिफॉर्म और किताबों का एकाधिकारः अधिकांश स्कूलों ने अब अपनी चौखट के भीतर ही दुकानें खोल ली हैं। जूते, मोजे, टाई से लेकर कॉपियों तक, सब कुछ स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से ही लेना अनिवार्य है, जो बाजार भाव से कहीं अधिक महंगी होती हैं।

ईवेंट्स और दिखावाः एनुअल फंक्शन और स्पोर्ट्स डे अब प्रतिभा निखारने के बजाय स्कूल की भव्यता दिखाने के विज्ञापन बन गए हैं।

भीतर सिमटती शिक्षा

जैसे-जैसे बाजार का प्रभाव बढ़ा है, शिक्षा का मूल स्वरूप संकुचित होता गया है।

ज्ञान बनाम ग्रेड्सः आज की शिक्षा का पैमाना बच्चे ने क्या सीखा से बदलकर बच्चे ने कितने प्रतिशत अंक पाए पर टिक गया है। शिक्षा अब चहुंमुखी विकास के बजाय एक रैंक-बनाने वाली मशीन बनकर रह गई है।

हादसों से आखिर कब चेतेंगे हम ?

विनोद कुमार विक्की

हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से आई दुर्घटनाओं की खबरों ने एक बार फिर हमारे सुरक्षा तंत्र, प्रशासनिक व्यवस्था और आम जन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जबलपुर क्रूज हादसा में सामने आई मौत की तस्वीरों ने मानवता को झकझोर कर रख दिया।

माँ और मासूम की एक-दूसरे से लिपटी निर्जीव देह हो या हादसे से पहले के वीडियो, हर दृश्य आंखों को नम कर देने वाला है। अंतिम क्षणों में लोग एक-दूसरे को लाइफ जैकेट पहनाने की कोशिश कर रहे थे, जो यह दशार्ता है कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता अक्सर देर से आती है।

इसी तरह वृंदावन नाव दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक पर्यटकों की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि नाव में ओवरलोडिंग थी और लाइफ जैकेट का समुचित उपयोग नहीं किया गया था। यह कोई पहली घटना नहीं है।

इससे पहले भी देश के कई पर्यटन स्थलों पर नाव, क्रूज और वाटर स्पोर्ट्स से जुड़े हादसे होते रहे हैं, जहां रोमांच की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

सड़क हादसों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है।

हाल ही में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण सैकड़ों लोगों की जान गई है। ओला बाइक, कैब, ऑटो रिक्शा और निजी बसों के चालक अधिक सवारी और जल्दी ट्रिप पूरी करने की होड़ में सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर देते हैं। तेज गति का यह रोमांच कई बार आत्मघाती साबित होता है। भारत सड़क दुर्घटनाएँ के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं या स्थायी रूप से घायल हो जाते हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इन सेवाओं का संचालन करने वाली एजेंसियां अक्सर केवल कर वसूली और लाइसेंस जारी करने तक सीमित रह जाती हैं। सुरक्षा मानकों के अनुपालन की नियमित जांच लगभग न के बराबर होती है। रेलवे जैसी संस्थाओं में जहां लोको पायलट की अल्कोहल जांच और स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य है, वहीं निजी बस, टैक्सी, नाव या स्टीमर चालकों के लिए ऐसी सख्ती या अनुपालन प्रायः देखने को नहीं मिलती। वर्षों पुराने, जर्जर वाहनों का संचालन खुलेआम जारी रहता है और ओवरलोडिंग एक सामान्य बात बन चुकी है। ऐसे लोलूप संगठनों के लिए पैसों के सामने मानव जिंदगियां छोटी पड़ जाती है। प्रश्न यह भी उठता है कि क्या केवल प्रशासन ही इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार है? क्या आम नागरिकों का कोई दायित्व नहीं बनता? हम अक्सर जोखिम देखकर भी चुप रहते हैं, ओवरलोड नाव में बैठ जाते हैं, बिना हेलमेट तेज रफ्तार बाइक पर सफर करते हैं, या असुरक्षित वाहन में यात्रा कर लेते हैं। यह चुप्पी भी कहीं न कहीं इन दुर्घटनाओं को बढ़ावा देती है।

गटर में उतरती इंसानियत : सफाईकर्मियों की मौतें बताती हैं कि जातिवाद आज भी जिंदा है

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के शहर आज दो तस्वीरों में बँटे हुए दिखाई देते हैं। एक तस्वीर चमचमाती सड़कों, स्मार्ट सिटी योजनाओं, बड़े-बड़े मॉल और स्वच्छता अभियानों की है, जबकि दूसरी तस्वीर कूड़े के ढेरों, बदबूदार नालियों, उफनते सीवरों और उनमें उतरते इंसानों की है। दुर्भाग्य यह है कि दूसरी तस्वीर को देखने से समाज अक्सर बचता है, क्योंकि वह तस्वीर केवल गंदगी की नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की सच्चाई भी दिखाती है। शहरों की सफाई जिन लोगों के भरोसे है, वही लोग आज भी सबसे अधिक अपमान, असुरक्षा और उपेक्षा झेल रहे हैं। यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि उस जातिवादी मानसिकता का परिणाम है जो हजारों वर्षों से कुछ लोगों को ह्लगंदगी साफ करने वालाह्व मानती आई है।

यह विडंबना ही है कि जिस समाज में सफाई को ईश्वर के बराबर बताया जाता है, उसी समाज में सफाई करने वाले इंसान को बराबरी का दर्जा नहीं मिलता। जिन हाथों से शहर साफ रहते हैं, उन्हीं हाथों को लोग अपने घरों की चौखट पर सम्मान नहीं देना चाहते। संविधान ने बराबरी का अधिकार दिया, कानूनों ने अस्पृश्यता को अपराध घोषित किया, लेकिन समाज के दिमागों में बैठी जाति की गंदगी आज भी जस की तस मौजूद है। यही कारण है कि सफाई कर्मचारी आज भी अधिकांशतः एक ही जाति विशेष से आते हैं। आधुनिक भारत का यह सबसे बड़ा सामाजिक विरोधाभास है कि चाँद पर पहुँचने वाला देश आज भी अपने ही नागरिकों को नंगे हाथों से गटर साफ करने पर मजबूर करता है।

हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों से खबर आती है कि सीवर साफ करते समय जहरीली गैस से कई सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई। कुछ देर के लिए मीडिया में चर्चा होती है, प्रशासन दुख जताता है, नेता मुआवजे की घोषणा करते हैं और फिर मामला खत्म हो जाता है। लेकिन उन परिवारों के लिए जिंदगी कभी सामान्य नहीं होती। एक मजदूर की मौत केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदों, बच्चों के भविष्य और घर की रोटी का अंत होती है। सबसे दुखद बात यह है कि इन मौतों को समाज ने लगभग ह्लसामान्यह्व मान लिया है। जैसे यह कोई हादसा नहीं, बल्कि उनका तयशुदा भाग्य हो।

सवाल यह है कि आखिर क्यों आज भी इंसानों को सीवर में उतरना पड़ता है? क्या तकनीक के इस दौर में मशीनें यह काम नहीं कर सकतीं? सच यह है कि मशीनें

मौजूद हैं, तकनीक मौजूद है, संसाधन भी मौजूद हैं, लेकिन सफाई कर्मचारियों की जान को कभी प्राथमिकता नहीं माना गया। गरीब मजदूर की जिंदगी इस व्यवस्था के लिए सस्ती है। यही कारण है कि सुरक्षा उपकरणों के बिना लोगों को जहरीले गटरों में उतार दिया जाता है। कई बार ठेकेदार और अधिकारी जानते हैं कि यह गैरकानूनी है, फिर भी यह सब जारी रहता है, क्योंकि मरने वाला कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं होता।यदि किसी बड़े अधिकारी, डॉक्टर या सरकारी कर्मचारी की असामयिक मृत्यु होती है, तो पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है, सरकारी नौकरी मिलती है, नेताओं के संदेश आते हैं और संवेदनाएँ प्रकट की जाती हैं। ऐसा होना चाहिए, क्योंकि हर इंसान का जीवन मूल्यवान है। लेकिन वही संवेदनशीलता तब क्यों गायब हो जाती है जब कोई सफाई कर्मचारी सीवर में दम तोड़ देता है? उसकी पत्नी और बच्चों के आँसू कम कीमती क्यों माने जाते हैं? उसकी मौत पर समाज उतना विचलित क्यों नहीं होता? इसका उत्तर केवल आर्थिक या प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक है। हमारे दिमागों में सदियों से भरी जातिवादी सोच ने सफाई कर्मचारियों की पीड़ा को ह्लसामान्यह्व बना दिया है। असल में सड़कों पर फैली गंदगी से ज्यादा खतरनाक गंदगी हमारे दिमागों में भरी हुई है। सड़क का कचरा नगर निगम उठा सकता है, लेकिन मानसिक कचरा पीढ़ियों की सोच बदलने से ही हटेगा। हमने सफाई को काम नहीं, जाति बना दिया। हमने कुछ लोगों को यह विश्वास दिलाया कि उनका जन्म ही गंदगी साफ करने के लिए हुआ है। यही सोच लोकतंत्र और मानवता दोनों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। किसी भी सभ्य समाज में कोई पेशा जन्म से तय नहीं होता, लेकिन भारत में जाति ने इंसान की पहचान, सम्मान और रोजगार तक तय कर दिए।

विडंबना यह भी है कि स्वच्छ भारत जैसे अभियान चलाने वाला देश सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया। फोटो खिंचवाने के लिए झाड़ू पकड़ना आसान है, लेकिन सीवर में उतरते इंसानों की जिंदगी बदलने के लिए गंभीर राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। आज भी अनेक नगरपालिकाओं में सीवर सफाई का पूरा काम ठेकेदारों के भरोसे चलता है। ठेकेदार लागत बचाने के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं देते और मजदूर मजबूरी में मौत के कुएँ में उतर जाते हैं। जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल दी जाती है। किसी अधिकारी या ठेकेदार को शायद ही कभी सख्त सजा मिलती हो।

यही दंडहीनता इन मौतों को जारी रखती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सफाई कर्मचारियों के साथ केवल आर्थिक अन्याय नहीं, बल्कि सामाजिक अपमान भी जुड़ा हुआ है। वे शहरों की सफाई करते हैं, लेकिन अक्सर गंदी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं। उनके बच्चों को स्कूलों में भेदभाव झेलना पड़ता है। कई जगह आज भी लोग उनके साथ बैठकर खाना खाने से हिचकते हैं।

यह कैसा समाज है जो सफाई तो चाहता है, लेकिन सफाई करने वाले इंसान को सम्मान नहीं देना चाहता?

हमें यह समझना होगा कि सफाई कोई छोटा काम नहीं है।

मंत्री संजय निषाद का अखिलेश यादव पर तीखा हमला, कहा -मुगलों के लाए धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता

संजय निषाद बोले : तुष्टिकरण करते रहे तो जिस तरह बंगाल में दीदी साफ हुई, उसी तरह सपा साफ हो जाएगी

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने आरक्षण के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा है। निषाद ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव पिछड़ों का हक मारकर मुगलों द्वारा लाए गए धर्म को आरक्षण देना चाहते हैं। निषाद ने कहा कि संविधान सभा ने भी ऐसा करने से मना कर दिया था।

संजय निषाद ने कहा कि अखिलेश यादव की प्रेस कांफ्रेंस ने पीडीए के एजेंडे की पोल खोल दी है। पिछड़ों के अधिकारों पर डाका डालने का काम किया गया है। उन्होंने कहा, 'जब संविधान सभा की बैठक हुई और जब संविधान सभा में आरक्षण की बात आई, उस समय धर्म के आधार पर इसको देना मना कर दिया था क्योंकि जो भारतीय धर्म है भारतीय सभ्यता है, उस पर मुगलों ने आक्रमण किया। भारत के ऊपर अंग्रेजों ने आक्रमण किया। तो मुगलों के द्वारा लाए गए धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। भीमराव अंबेडकर ने भी इसका विरोध किया था।'

-सपा और इंडी गठबंधन पर साधा निशाना
संजय निषाद ने सपा और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि, ह्यइन लोगों ने जस्टिस रंगनाथ मिश्र कमेटी बनाकर ओबीसी आरक्षण में से हिस्सा काटकर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया था। आंध्र प्रदेश में इनकी दोस्त कांग्रेस ने मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण दिया। कर्नाटक में मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल कर पिछड़ों के अधिकारों को कमजोर किया।

-पश्चिम बंगाल का जिक्र
पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए निषाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके वर्षों तक पिछड़ों के हक पर डकैती डाली।
कोलकाता हाईकोर्ट ने इस असंवैधानिक कदम को रद्द किया। जिस तरीके से वहां पिछड़ों के हक पर डकैती डाली गई। उनका आरक्षण मुसलमानों को दिया गया। वहां के लोग एक हुए और वहां की सरकार को हटा दिया।
निषाद ने आगे कहा कि, यहां पर (यूपी में) भी इंडी गठबंधन मुसलमानों की आवाज तो उठाता है, लेकिन देश को आजाद कराने वाली पिछड़ी और अगड़ी जातियों की आवाज नहीं उठाता। समाजवादी पार्टी का अगर यही रवैया रहा तो जिस तरीके से बंगाल में दीदी साफ हुई, उसी तरीके सपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

-निषाद ने किया फूलन देवी का जिक्र
संजय निषाद ने यह भी कहा कि अन्य जातियों के नेता यह भी सोचें कि उन्हें सपा के समय में क्या मिला? फूलन देवी ने जैसे ही आरक्षण की बात की, किसानों के हक की बात की, उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया था। बाद में वह मारी भी गईं। आप इस अन्याय को समझ सकते हैं। ओबीसी की किसी भी जाति के साथ अन्याय नहीं होगा, ये हमारे एनडीए का संकल्प है।

जब-जब भर्तियां निकलती थीं 'चाचा-भतीजा' लूटने के लिए झोला लेकर निकल पड़ते थे : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश सरकार के दो वरिष्ठ मंत्रियों स्वतंत्र देव सिंह और असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके मुखिया अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सपा सरकार के दौरान भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार, जातिवाद और पैसे के खेल का अड्डा बन चुकी थी। दोनों मंत्रियों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था स्थापित कर युवाओं का भरोसा लौटाया है। जबकि सपा शासन में नौकरी निकलते ही 'चाचा-भतीजा वसूली तंत्र' सक्रिय हो जाता था।

--भर्ती निकलते ही झोला लेकर निकल जाते थे चाचा-भतीजा
जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में जब-जब नियुक्तियों और रोजगार के विज्ञापन निकलते थे, तब-तब चाचा-भतीजा लूट के लिए झोला लेकर निकल जाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर भर्ती तक हर जगह खुला रेट चलता था और बिना पैसे व सिफारिश के कोई काम नहीं होता था।
उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लगभग 9 लाख सरकारी भर्तियां पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ हुई हैं। समाज के सभी वर्गों के युवाओं को अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि आज हर गांव में 4-5 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। न जातिवाद चला, न क्षेत्रवाद। केवल योग्यता के आधार पर चयन हुआ।

--दलितों और शोषितों को दबाने का काम करती थी सपा सरकार
स्वतंत्र देव सिंह ने आरोप लगाया कि सपा शासन में दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों को व्यवस्थित रूप से दबाने का काम किया गया।
उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और लूट-खसोट उस सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुके थे। सपा सरकार में हर काम में भ्रष्टाचार था।

विधायक निधि के शिलान्यास विवाद को लेकर विधानसभा अध्यक्ष से मिले अमिताभ बाजपेयी

लखनऊ।
आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि से स्वीकृत विकास कार्य के शिलान्यास को लेकर हुए विवाद का मामला अब विधानसभा तक पहुंच गया है। सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की शिकायत की।
विधायक ने आरोप लगाया कि उन्हें अपने ही विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य के शिलान्यास से रोका गया और प्रशासनिक संरक्षण में जनप्रतिनिधि की गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। अमिताभ बाजपेयी ने विधानसभा भवन में विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान कहा कि विधायक निधि से स्वीकृत विकास कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम में उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके समर्थकों और कार्यकताओं के साथ भी अन्यायपूर्ण रवैया अपनाया गया तथा एक मजदूर के साथ मारपीट की गई। विधायक ने पूरे मामले को लोकतांत्रिक परंपराओं और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों से जुड़ा बताते हुए इसे विशेषाधिकार समिति को भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के विकास कार्यों की गरिमा बनाए रखने के लिए है।
उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित कराने की मांग की है। अब इस प्रकरण को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

पराग डेयरी में 13 साल बाद लौटेगी रौनक, 160 करोड़ के आधुनिक प्लांट का ट्रायल जल्द : जिलाधिकारी

कानपुर।
इस अत्याधुनिक प्लांट के चालू होने से कानपुर मंडल के लगभग एक लाख किसानों को उनके दूध का पारदर्शी और समयबद्ध भुगतान मिलेगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही जापानी और जर्मन तकनीक से जांचा हुआ पूरी तरह शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाला दूध उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। यह बातें बुधवार को जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं।

13 वर्षों से बंद पड़े गोविंद नगर स्थित पराग डेयरी प्लांट का ट्रायल रन सफलतापूर्वक शुरू हो गया है। वर्ष 2013 से बंद यह प्लांट अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयासों के बाद दोबारा शुरू होने जा रहा है। इसका ट्रायल रन 25 मई से शुरू होने की संभावना है।
मदर डेयरी और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के तकनीकी सहयोग से तैयार इस आधुनिक प्लांट में प्रतिदिन लगभग चार लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग की जाएगी। प्लांट के शुरू होने से कानपुर मंडल के करीब एक लाख दुग्ध उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में ह्यविलेज लेवल कलेक्शन सेंटरह्न बनाए गए हैं, जहां से दूध सीधे प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और किसानों को समय पर भुगतान मिल सकेगा।
मदर डेयरी के यूनिट हेड विनय प्रताप सिंह के अनुसार, प्लांट में जापान और जर्मनी से मंगाई गई अत्याधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया गया है। यहां प्रतिदिन 1.50 लाख लीटर पैकेज्ड मिल्क, 20 मीट्रिक टन मिल्क पाउडर, आठ टन शुद्ध देसी घी और एक टन पनीर का उत्पादन किया जाएगा।

अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई, शादी से लौट रहे दो युवकों की मौत ,तीन घायल

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित थाना मोदीनगर क्षेत्र के दिल्ली मेरठ मार्ग पर सौंदा रोड के निकट एक अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।
सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि एक कार में सवार होकर लोनी के रहने वाले अंकित तिवारी 25 वर्ष, मेरठ के रहने वाले आदेश 32 वर्ष, हिमांशु, रोहित आदि आज सुबह को मेरठ से लोनी जा रहे थे। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 5 बजे के करीब इनकी कार अनियंत्रित होकर मेरठ मार्ग पर सौदा रोड के निकट डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में अंकित तिवारी और आदेश की मौत हो गई, जबकि कुलदीप, हिमांशु, रोहित आदि घायल हो गए। ये लोग एक शादी में भाग लेने के लिए लोनी से मेरठ गए थे। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भीषण सड़क हादसा, तीन युवकों की मौत

मऊ।
उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के घोसी क्षेत्र में बुधवार रात करीब 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बलुआ पोखरा के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।
मौके पर तीन युवकों ने तोड़ा दम
हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रियाज अहमद (26) पुत्र इकबाल अहमद निवासी नवापुरा और राम आशीष यादव (28) पुत्र रामजनम निवासी इटौरा कोपागंज के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है।
एक युवक गंभीर रूप से घायल
कार में सवार आकाश यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टर उसकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

घरेलू विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में लालगंज थाना क्षेत्र के दुबार कलां चौकी अंतर्गत गड़बड़ कलां गांव में घरेलू विवाद से क्षुब्ध 28 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।

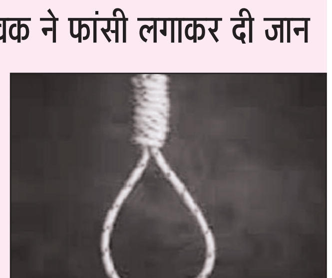

गड़बड़ कलां गांव निवासी दिनेश कोल (28) पुत्र रामप्रसाद कोल ने बुधवार देर रात कच्चे मकान में बांस के सहारे गमछे का फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर बचाने का प्रयास किए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।
परिजनों के अनुसार देर रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद युवक ने यह कदम उठा लिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।
सूचना मिलते ही दुबार कलां चौकी प्रभारी कुंवर मनोज कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।
चौकी प्रभारी कुंवर ने बताया कि युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

ताबड़तोड़ फायरिंग कर युवक की हत्या

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा स्थित थाना ईकोटेक -3 क्षेत्र में बीती रात को अज्ञात बदमाशों ने एक युवक के ऊपर ताबड़तोड़ गोली चला दी। इस घटना में उसकी मौत हो गई है।
पुलिस उपायुक्त सेंट्रल जोन शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वैदपुरा गांव के रहने वाले दीपक नागर 28 वर्ष पुत्र अशोक नागर बुधवार की देर रात को अपने घर से बाहर जा रहे थे। तभी बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनके ऊपर ताबड़तोड़ गोली चला दी। उन्हें 6 गोली लगी।

सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज में बीए प्रवेश शुरू

कानपुर।
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित बीए पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। पाठ्यक्रम में सामाजिक विज्ञान, मानविकी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल और सोशल वर्क जैसे विषय शामिल किए गए हैं। यह जानकारी बुधवार को संस्थान की निदेशक डॉ. किरण झा ने दी।

डॉ. किरण झा ने बताया कि पाठ्यक्रम को शोध आधारित अध्ययन, कौशल विकास और बहुविषयक शिक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को रिसर्च प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप, अकादमिक लेखन, संचार कौशल, डिजिटल लर्निंग और डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।
उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम से छात्र उच्च शिक्षा, नेट-जेआरएफ, सिविल सेवा, राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं, बैंकिंग और प्रशासनिक सेवाओं में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही शिक्षण, पत्रकारिता, मीडिया, सामाजिक सेवा, कॉर्पोरेट सेक्टर, एनजीओ और अन्य रोजगार क्षेत्रों में भी करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

चाचा ने नवजात भतीजी की हत्या कर शव लकड़ियों में छुपाया, गिरफ्तार

बहराइच।
उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में बुधवार की शाम सुजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक वीभत्स घटना प्रकाश में आई। एक नौ माह की दुधमुँही की उसके चाचा ने गला दबाकर जान ले ली। घटना बुधवार शाम की है। गला दबाने के बाद नवजात का शव कपड़े में लपेटकर लकड़ियों के नीचे दबा दिया। घटना के दौरान घर में कोई मौजूद नहीं था,वापस लौटने पर परिवारजनों ने जब पूछताछ की तो आरोपित चाचा हिचकिचाते हुए वहां से भाग निकला।

नवजात की मां जब घर के अंदर पहुँची तो बच्ची का शव लकड़ियों के बीच में दबा मिला। शव मिलते ही परिवार में हाहाकार मच गया। शोर सुनकर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा होने लगी। इस दौरान पुलिस को सूचित किया गया, आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुँच गई और आरोपित चाचा को हिरासत में ले लिया।
मृत नवजात की मां के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया और साक्ष्य संकलन कर जांच में जुट गई है। फिलहाल पुलिस ने किशोरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
सुजौली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चफरिया की हरिजन बस्ती की रहने वाली सुनीता अपने दो बेटे गोपाल और सुरेन्द्र के साथ रहती है। बुधवार की शाम परिवारजन पड़ोस में गये थे। घर में सुनीता की 9 माह की नवजात पौत्री अंजू चारपाई पर सो रही थी। इस दौरान नवजात का चाचा सुरेन्द भी वहां मौजूद था। परिवारजन जब वापस आये तो उन्हें किशोरी चारपाई पर नहीं मिली। किशोरी की मां उसे बेचैनी से खोजने लगी। उसने घर पर पहले से मौजूद देवर सुरेन्द्र से पूछताछ की तो वह झिड़ककर बाहर भाग गया। नवजात की मां ढूढ़ते हुए कमरे में पहुँची तो किशोरी का शव कपड़े में लिपटा लकड़ियों के बीच में पाया। यह देखते ही वह जोर-जोर से रोने लगी।

ट्रेलर और कंटेनर के बीच टक्कर, ड्राईवर की मौत

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में कूरेभार थाना क्षेत्र में एक ट्रेलर और एक कंटेनर के बीच टक्कर हो गई, जिसमें कंटेनर का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए अस्पताल मे भेजा गया। जहाँ पर चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया।
क्षेत्राधिकारी वल्दीराय आशुतोष कुमार ने गुरुवार को बताया कि बीती रात कस्बा कूरेभार थाना क्षेत्र में एक ट्रेलर और एक कंटेनर के बीच टक्कर हो गई, जिसमें कंटेनर के ड्राइवर धम्मौ निवासी मोहम्मद कफील गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

इस संबंध में अन्य विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

हल्दी रोड स्टेशन पर रेलवे की फुलस्केल मॉकड्रिल, हादसे से निपटने की तैयारियों को परखा

बरेली ।
रेल दुर्घटना की स्थिति में कर्मचारियों की सतर्कता, राहत एवं बचाव कार्यों की त्वरित क्षमता को परखने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने बुधवार को हल्दी रोड रेलवे स्टेशन पर फुलस्केल मॉकड्रिल आयोजित की। मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास में एनडीआरएफ गदरपुर और एसडीआरएफ काशीपुर की टीमों ने भी हिस्सा लिया।
मॉकड्रिल के तहत हल्दी रोड स्टेशन यार्ड में एक काल्पनिक रेल हादसे का दृश्य तैयार किया गया। दोपहर 1:20 बजे इज्जतनगर मंडल के नियंत्रण कक्ष और 1:24 बजे मंडल कार्यालय भवन में हूटर बजाकर अधिकारियों को सूचना दी गई कि मालगाड़ी शंटिंग के दौरान लाइन संख्या-4 से लाइन संख्या-3 में जाते समय कैंप कोच से टकरा गई है, जिससे कोच के चार पहिए पटरी से उतर गए हैं।

सूचना मिलते ही मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा सहित रेलवे के तमाम वरिष्ठ अधिकारी राहत दल के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यू.एस. नाग, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी डॉ. हरीश रेडतौलिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा समेत इंजीनियरिंग, परिचालन और चिकित्सा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे।
वहीं जिला प्रशासन, सिविल पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्काउट-गाइड और नागरिक सुरक्षा संगठन के सदस्य भी राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए।
घटना के बाद नियंत्रण कक्ष से हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए और हल्दी रोड व लालकुआं स्टेशन पर सहायता बूथ स्थापित किए गए।
एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने और संसाधनों को मौके तक पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया।

देश

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 117, निफ्टी 41 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज एशियाई बाजारों में गिरावट के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों से बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा पर रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजाज ऑटो के तेजी से भी बाजार को बल मिला। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 117.54 अंक बढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41 अंक उछलकर 23,659 अंक पर बंद हुआ।

आज रिलायंस के अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंडिगो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर बीईएल, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी के शेयरों में हिंडाल्को में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं ब्रॉडर बाजार में निफ्ट मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स 500 के करीब टूटकर 74,681 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 150 अंकों से ज्यादा गिरकर 23,464 के स्तर पर पहुंच गया। आज दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल से एशियाई बाजारों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण भी अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी रही। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान का निकेई 225 करीब 1.29 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.93 फीसदी नीचे आया। डाओ जोंस करीब करीब 0.65 फीसदी गिरा। वहीं एसएंडपी 500 भी 0.67 फीसदी नीचे आया। नेसडेक कंपोजिट भी 0.84 फीसदी टूटा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ये पहली बार 96 के स्तर से आगे निकल गया। ये शुरुआती कारोबार में 96.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरा। वहीं गत दिवस रुपया 96.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बुधवार को इसकी शुरुआत 96.86 के स्तर पर हुई। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में रुपया करीब 1 रुपये तक कमजोर हो चुका है। रुपये पर सबसे अधिक दबाव कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गयी हैं। आज ब्रेंट क्रूड करीब 111 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आया है। इससे भारत पर भी दबाव आया है। भारत को काफी तेल आयात करना पड़ता है। ऐसे में कच्चा तेल महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव बढ़ जाता है। रुपये की कमजोरी की दूसरी बड़ी वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी और वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता है। निवेशक सुरक्षित निवेश की तरफ जा रहे हैं, जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है। डॉलर मजबूत होने से भी भारतीय रुपये पर दबाव आया है।

भारत के अरबपतियों की संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर हुई, 26 नए अरबपति बने

मुकेश अंबानी भारत और एशिया के सबसे अमीर तो अडाणी दूसरे नबंर पर

मुंबई।

भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 83 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। हाल ही में 26 नए अरबपतियों के जुड़ने के बाद भारत अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा अरबपतियों वाला तीसरा देश बन गया है। देश में अरबपतियों की कुल संख्या बढ़कर 229 हो गई है।

फोर्ब्स की ताजा सूची के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी करीब 100 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ भारत और एशिया के सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं। गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं, जबकि उद्योगपति परिवार की प्रमुख सावित्री जिंदल देश की सबसे अमीर महिला के रूप में तीसरे नंबर पर हैं। इस सूची में स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल चौथे और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर पांचवें नंबर पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जिससे वे साल के सबसे बड़े गेनर बनकर उभरे हैं। वहीं, भारतीय उद्योग जगत में पारंपरिक कारोबारियों के साथ नए दौर के टेक उद्यमियों की मौजूदगी भी तेजी से बढ़ रही है। मुंबई अब भी भारतीय अरबपतियों का सबसे बड़ा केंद्र है। वित्त, उद्योग, शेयर बाजार और स्टार्टअप निवेश का प्रमुख केंद्र होने के कारण मुंबई में सबसे ज्यादा अरबपति रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज वृद्धि, डिजिटल कारोबार का विस्तार और स्टार्टअप संस्कृति ने संपत्ति निर्माण की रफ्तार को नई ऊंचाई दी है।

इस बार की सूची में कई युवा और नए चेहरे भी शामिल हुए हैं। खासतौर पर एआई, फिनटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने तेजी से अपनी पहचान बनाई है। इनमें 31 साल के अरविंद श्रीनिवास जैसे युवा फाउंडर्स का नाम भी प्रमुखता से सामने आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में बढ़ती उद्यमिता, निवेशकों का विश्वास और तकनीक आधारित कारोबार आने वाले सालों में अरबपतियों की संख्या और संपत्ति दोनों को और बढ़ा सकते हैं। इससे भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने की उम्मीद है।

मेटा ने किया हजारों कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान, एआई का असर

कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना किया शुरू

नई दिल्ली।

मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया। इसकी वजह एआई के कारण संगठन का पुनर्गठन है। इसकी जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई। फेसबुक की पेरेंट कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके करीब 10 फीसदी कर्मचारियों के प्रभावित होने और भूमिकाओं में बदलाव होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक इंटरनल मेमो में मेटा की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-केंद्रित नई भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की योजना का जिक्र किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में मेटा की एचआर चीफ जेनेल गेल ने कहा कि कई टीमों को एआई-आधारित सिद्धांतों के आधार पर पुनर्गठित किया जा रहा है ताकि सरल संरचनाएं और छोटे समूह बनाए जा सकें जो ज्यादा जिम्मेदारी के साथ तेजी से काम किया जा सके। गेल ने कहा कि बदलावों पर काम करते हुए कई टीमों ने एआई-आधारित डिजाइन सिद्धांतों को अपनी नई संगठनात्मक संरचनाओं में शामिल किया।

रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी अमेरिकी कर्मचारियों को भी छंटनी के प्रभावी होने वाले दिन घर से काम करने के लिए कहा गया था, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका पालन मेटा ने पिछली छंटनी घोषणाओं के दौरान भी किया था। यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब मेटा एआई बुनियादी ढांचे पर खर्च में काफी बढ़ोतरी कर रहा है। इसके अलावा कंपनी ने 2026 के लिए 125 अरब डॉलर से 145 अरब डॉलर के बीच पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है, जो मुख्य रूप से एआई डेटा केंद्रों, कस्टम चिप्स और मॉडल प्रशिक्षण पर केंद्रित है। सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कर्मचारियों को बताया कि एकत्रित डेटा का उद्देश्य केवल एआई प्रणालियों को बेहतर बनाना है, न कि निगरानी करना।

मारुति सुजुकी ने लखनऊ में खोली स्मार्ट फैक्ट्री लैब

युवाओं को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण

लखनऊ।

मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत लखनऊ में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुजुकी कंपनी ने सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक अत्याधुनिक स्मार्ट फैक्ट्री लैब की स्थापना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य डिप्लोमा छात्रों को आधुनिक विनिर्माण तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। यह लैब अपने पहले वर्ष में करीब 400 छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। यहां छात्रों को स्वचालन, उद्योग 4.0, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी), न्यूमेटिक्स, ऊर्जा मापन और गति नियंत्रण प्रणालियों सहित उन्नत औद्योगिक तकनीकों का सीधा अनुभव मिलेगा। यह पहल अकादमिक शिक्षा और उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं के बीच के अंतर को पाटने में सहायक होगी। कंपनी का मानना है कि इस अत्याधुनिक लैब के माध्यम से छात्रों में उद्योग के लिए आवश्यक सही मानसिकता विकसित होगी, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी दक्षता मजबूत होगी। इसका अंतिम लक्ष्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार पेशेवर बनाना है, जो देश के कार्यबल में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट मामलों के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा, स्मार्ट फैक्ट्री लैब के उन्नयन के साथ, हम सरकार के स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार पेशेवर तैयार कर रहे हैं। ये लैब विनिर्माण क्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने, कौशल अंतर को कम करने और छात्रों में उद्योग-विशिष्ट उपकरणों के उपयोग में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण के अवसर प्रदान करेंगी। कंपनी ने भारत और जापान सरकार के सहयोग से चार जापान-भारत विनिर्माण संस्थान (जेआईएम) भी स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोटिव विनिर्माण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उद्योग-विशिष्ट व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 18 आईटीआई में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग लैब (एएमएल) भी स्थापित की गई हैं।

यह कदम युवाओं को उद्योग की मांगों के अनुरूप तैयार करने की मारुति की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सरकार ऊर्जा संकट के बीच अब इलेक्ट्रिक बस-ट्रकों को बढ़ावा देने की तैयारी में

1 अरब डॉलर की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली।

भारत सरकार ऊर्जा संकट के बीच प्राइवेट सेक्टर में इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों को बढ़ावा देने के लिए 1 अरब डॉलर यानी करीब 8,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रही है। इस योजना का मकसद कॉमर्शियल परिवहन क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नाम न छापने की शर्त पर मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि यह प्रोग्राम 10 सालों तक चलेगा और मुख्य रूप से भारत के प्राइवेट ओन्ड कॉमर्शियल फ्लीट को टारगेट करेगा। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा इंटर-सिटी बस ऑपरेटरों के लिए रखा जा सकता है। योजना को अंतिम रूप देने के लिए इस महीने प्रधानमंत्री कार्यालय और इंडस्ट्री से जुड़े पक्षों के साथ बैठकें हो सकती हैं। अंतिम बजट आवंटन, प्रोत्साहन पाने वाले वाहनों की श्रेणी और सब्सिडी ढांचे पर अभी काम चल रहा है और इसमें बदलाव संभव है। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बाद भारत सरकार पेट्रोल, डीजल आदि पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रही है।

इससे ऊर्जा सुरक्षा और आयातित महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। भारत अपनी कीरब 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है, जिससे वह वैश्विक भू-राजनीतिक संकट और कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना रहता है। कमर्शियल ट्रांसपोर्ट का इलेक्ट्रिफिकेशन भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगा। इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन के मुताबिक नई दिल्ली जैसे शहरों में वाहनों से होने वाला उत्सर्जन सालाना सूक्ष्म कण प्रदूषण का लगभग 40 फीसदी तक योगदान देता है। पिछले पांच सालों में इलेक्ट्रिक बसों को अपनाने की रफ्तार तेजी से बढ़ी है, जिसमें सरकारी परिवहन कंपनियों की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि भारत में अभी भी ज्यादातर नई बसें डीजल से चलती हैं। हालांकि डीजल पर निर्भरता केवल भारत की समस्या नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्र कमर्शियल वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चीन में पहले से ही लाखों इलेक्ट्रिक ट्रक और बसें चल रही हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप शहरी लॉजिस्टिक्स और पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ्लीट को तेजी से इलेक्ट्रिक बना रहे हैं। अनुमानों के मुताबिक भारत में 20 लाख से ज्यादा बसें हैं, लेकिन इनमें से केवल 5 फीसदी बसों पर सरकार का नियंत्रण है। वहीं देश में करीब सभी ट्रक निजी क्षेत्र द्वारा संचालित किए जाते हैं और यही डीजल की सबसे बड़ी खपत करते हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी छोटे कमर्शियल फ्लीट ऑपरेटरों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं। ये ऑपरेटर ऊंची शुरुआती लागत और सीमित वित्तपोषण के कारण कठिनाई का सामना कर रहे हैं। विचाराधीन प्रोत्साहनों में वाहन की पूरी अवधि में प्रति वाहन 15 लाख रुपए तक का ब्याज सब्सिडी लाभ शामिल हो सकता है, जिसे समय के साथ धीरे-धीरे कम किया जाएगा। सरकार प्राइवेट कंपनियों को इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन खरीदने के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराने के लिए आंशिक क्रेडिट गारंटी व्यवस्था पर भी विचार कर रही है।

सेंसेक्स 118 अंक चढ़कर 75,318 पर बंद

निफ्टी में भी 41अंक की तेजी रही; रुपए 96.89 के रिकॉर्ड लो पर

मुंबई। सेंसेक्स बुधवार को 118 अंक चढ़कर 75,318 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 41 अंकों की तेजी रही, ये 23,659 पर पहुंच गया। बुधवार के कारोबार में ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए 33 पैसे टूटकर 96.89 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले कई सत्रों से रुपए के मूल्य में लगातार गिरावट देखी जा रही है। 19 मई को सेंसेक्स 114 अंक की गिरावट के साथ 75,201 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही, ये 23,618 पर बुद हुआ। आज के बैंकिंग, एफएमसीजी और मेटल शेयर्स में बिकवाली रही। वहीं आईटी, रियल्टी और मीडिया शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

कर्मचारियों पर कम खर्च और ब्याज में आई कमी का कंपनियों को मिला फायदा

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा मार्जिन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कर्मचारियों पर कम खर्च और ब्याज के बोझ में आई कमी का कंपनियों को फायदा मिला। कम वेतन और पारिश्रमिक के साथ-साथ ब्याज लागत में हुई बचत ने कच्चे माल की बढ़ी लागत को काफी हद तक पाट दिया है। इससे वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनियों का कर बाद मुनाफा मार्जिन 11.3 फीसदी रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 60 आधार अंक ज्यादा है और कम से कम पिछली 21 तिमाहियों में सबसे ज्यादा मुनाफा मार्जिन है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के 10.6 फीसदी मुनाफा मार्जिन से चौथी तिमाही में 70 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा मार्जिन पिछले पांच सालों में करीब एक तिहाई बढ़ा है। मार्च 2021 तिमाही में यह 8.6 फीसदी था। 837 कंपनियों का वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कुल शुद्ध लाभ 15.5 फीसदी बढ़ा है जबकि इस दौरान उनकी आय में 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन कंपनियों का कुल समायोजित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में करीब 3.24 लाख करोड़ रहा जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 2.81 लाख करोड़ रुपए था। दूसरी ओर इन कंपनियों की कुल आय वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बढ़कर लगभग 28.65 लाख करोड़ रुपए रही जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 26.16 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 27.71 लाख करोड़ रुपए थी। रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही में वेतन और पारिश्रमिक और ब्याज व्यय जैसे प्रमुख खर्च में वृद्धि धीमी रही जिससे कंपनियों को मुनाफा मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में नमूने में शामिल कंपनियों की कुल वेतन वृद्धि 6.4 फीसदी रही जबकि बिक्री एवं मार्केटिंग खर्च में 3.6 फीसदी का इजाफा हुआ। हालांकि कंपनियों की लाभप्रदता को सबसे बड़ा फायदा कम ब्याज लागत का मिला। इस लाभ में बैंकों और गैर-बैंक ऋणदाताओं का दबदबा रहा और इनकी हिस्सेदारी नमूने में शामिल कंपनियों के कुल शुद्ध लाभ की करीब 43 फीसदी रही। बैंक, वित्त और बीमा कंपनियों को कम ब्याज दरों से सबसे ज्यादा लाभ हुआ और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में उनके कुल ब्याज खर्च में केवल 2.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वायु सुरक्षा अधिकारी 'फ्यूल-कंट्रोल स्विच पैनल' के परीक्षण की करेंगे निगरानी

लंदन-बेंगलूरु उड़ान के पायलटों ने इसमें खराबी की बात कही थी

नई दिल्ली।

भारतीय वायु सुरक्षा अधिकारी सिएटल जाने की योजना बना रहे हैं। वहां वे बोइंग द्वारा किए जा रहे एक 'फ्यूल-कंट्रोल स्विच पैनल' के परीक्षण की निगरानी करेंगे। इस पैनल को फरवरी में एयर इंडिया के एक 787 विमान से हटा दिया गया था, जब लंदन-बेंगलूरु उड़ान के पायलटों ने इसमें खराबी की बात कही थी। यह जानकारी दस्तावेज से पता चली है। भारतीय अधिकारियों ने इस परीक्षण को 'संवेदनशील' बताया है। इस परीक्षण ने बोइंग ड्रीमलाइनर में लगे उन स्विचों पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है, जो विमान के इंजनों में जेट ईंधन का प्रवाह नियंत्रित करते हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब जांचकर्ता पिछले जून में गुजरात में हुए एयर इंडिया 787 विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक ये स्विच इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि अगर पायलट कोई विशेष एक्शन नहीं लेते हैं तो इन्हें हिलाया नहीं जा सकता, लेकिन इस हादसे की शुरुआती रिपोर्ट में यह सामने आने के बाद कि ये स्विच करीब एक ही समय पर बंद हो गए थे और जिससे इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया था, ये स्विच अब जांच के दायरे में आ गए हैं। डीजीसीए ने पहले बताया था कि लंदन में फरवरी में हुई घटना के दौरान पायलटों ने इंजन चालू करते समय देखा कि पहले दो प्रयासों में जब हल्का दबाव डाला गया, तो फ्यूल स्विच 'रन' स्थिति में स्थिर नहीं रहे, लेकिन उड़ान भरने से पहले तीसरे प्रयास में वे स्थिर हो गए। एयर इंडिया ने कहा कि अतिरिक्त परीक्षण में एक नियंत्रित प्रयोगशाला परिवेश में जांच शामिल है, ताकि इसके प्रदर्शन की निश्चित रूप से पुष्टि हो सके।

निवेश के लिए खरीदा फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प

आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है

नई दिल्ली।

भारतीय समाज और सोने का रिश्ता सदियों पुराना है। त्योहारों की रौनक हो या शादियों का उल्लास, सोना हर मोड़ पर भारतीय परिवारों के सुख-दुख का साथी रहा है। एक अनुमान के मुताबिक आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है, जो काफी हद तक निष्क्रिय है, अलमारियों में बंद है और जिसकी देश भर में कोई एक तय कीमत भी नहीं है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने के बाजार की यह पूरी तस्वीर अब बदल रही है। साल 2024 से सरकार ने नए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) को जारी करना पूरी तरह बंद कर दिया था, जिसके बाद बजट 2026 के नए नियमों ने इसके टैक्स फायदों को भी सीमित कर दिया। दूसरी तरफ नवंबर 2025 में सेबी ने मोबाइल ऐप्स पर मिलने वाले अनरेगुलेटेड डिजिटल गोल्ड को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलते सिस्टम के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 'इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स' (ईजीआर) ने निवेश की दुनिया में कदम रखा। अब देश के आम निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि सोने में निवेश का सबसे व्यावहारिक, सुरक्षित और किफायती रास्ता कौन सा है। क्या हमें सुनार की दुकान से पारंपरिक सोना खरीदना चाहिए, सालों से चल रहे गोल्ड ईटीएफ में बने रहना चाहिए या फिर नए ईजीआर को अपनाना चाहिए। पारंपरिक रूप से भारत में सोने की खरीद हमेशा से आभूषणों या सिक्कों के रूप में की जाती रही है, जिसे हम फिजिकल गोल्ड कहते हैं। सुनार की दुकान पर जाकर अपनी आंखों के सामने सोने को देखना और उसे छूकर महसूस करना हमेशा से भारतीयों की पसंद रही है। हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट इस उपभोक्ता व्यवहार की गहराई को समझाते हुए कहती हैं कि भारत में गहनों और सोने का अपना एक सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है, क्योंकि यह लोगों को 'टैन्जिबल ओनरशिप' यानी संपत्ति को छूकर महसूस करने और खुद के पास सुरक्षित रखने की वास्तविक खुशी देता है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में इसकी मांग हमेशा बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि अगर आप इसे सिर्फ निवेश के नजरिए से देखें, तो फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प साबित होता है। सोना खरीदते ही सबसे पहले आपको 3फीसदी जीएसटी देना पड़ता है। इसके अलावा ज्वेलर्स 5फीसदी से लेकर 20फीसदी या उससे भी ज्यादा तक मेकिंग चार्ज वसूल लेते हैं, जिसका निवेश से कोई फायदा नहीं होता। फिर इसकी सुरक्षा की चिंता अलग रहती है। या तो घर में चोरी का डर बना रहता है, या बैंक लॉकर के लिए हर साल मोटा किराया देना पड़ता है। सबसे बड़ा झटका तब लगता है जब आप सोना बेचने जाते हैं। उस समय ज्वेलर्स पुराने मेकिंग चार्ज का पैसा तो वापस नहीं देते, ऊपर से शुद्धता जांचने के नाम पर सोने के वजन या कीमत में भी कटौती कर लेते हैं।

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ

टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश ने किया पाक का सूपड़ा साफ

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो – बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

पाकिस्तान की लगातार चौथी हार – यह पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी टेस्ट हार रही। इस हार के साथ ही शान मसूद की कप्तानी पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। टीम का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने का सपना भी इस हार से बड़ा झटका लगा है।

मुश्फिकुर और लिटन दास ने रखा जीत की नींव – पहली पारी में बांग्लादेश 278 रन पर ऑलआउट हुआ था, जिसमें लिटन दास ने 126 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान की टीम 232 रन ही बना सकी।

बाबर आजम ने 68 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। दूसरी पारी में बांग्लादेश ने मैच पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया। अनुभवी बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने 137 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि लिटन दास ने 69 रन बनाए। बांग्लादेश ने 390 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 437 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम रिकॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही।मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

मैच का परिणाम

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराया

- बांग्लादेशः 278 और 390
- पाकिस्तानः 232 और 358
- बांग्लादेश ने सीरीज 2-0 से जीती

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

अनिल कुंबले ने माना

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं।

इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की। कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'उन्होंने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं। एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 59 छक्के लगाए हैं। मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने दिग्वेश राठी के खिलाफ कई बार ऐसा किया। मुझे खुशी है कि लोगों के पास अब भी ऐसी प्रतिभा का वर्णन करने के लिए शब्द हैं। मेरे पास तो शब्द कम पड़ते जा रहे हैं। यह लड़का बहुत खास है। वह इतनी छोटी उम्र में भी पूरी परिपक्वता दिखाते हैं।'

सबसे कम उम्र में बनाया बड़ा रिकॉर्ड

इस पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में 500 रन पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के लिए 20 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यशस्वी जायसवाल ने भी की जमकर तारीफ

राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल ने मैच के बाद टीम के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। जायसवाल ने कहा, 'हर खिलाड़ी ने मेहनत की और टीम के लिए योगदान दिया। हमें पता था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। पावरप्ले में जोफ्रा की गेंदबाजी शानदार रही। वहीं वैभव और ध्रुव ने बल्लेबाजी से मैच खत्म कर दिया।'

- **'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं –वैभव सूर्यवंशी –** राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की।वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।' युवा बल्लेबाज ने बताया कि गेंदबाजी के दौरान बाहर बैठकर उन्होंने पिच को अच्छी तरह समझ लिया था। उन्हें महसूस हो गया था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए शानदार है, इसलिए उन्होंने शुरुआत में थोड़ा समय लेने का फैसला किया। वैभव ने कहा, 'जब मैं बाहर बैठा था तब मैंने देखा कि विकेट काफी अच्छा है। मैंने सोचा कि शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। अगर मैं ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करूंगा तो दूसरे बल्लेबाज को भी मदद मिलेगी।'

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है। पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गईं और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।' एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीज़न बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे– निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि ख़ासकर मध्य क्रम का ख़राब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। रआरके सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए। पंत ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा, 'कभी–कभी मुश्किल हो जाता है। ऐसी सपाट विकेट पर गेंदबाजों के पास बहुत कम गुंजाइश होती है और बहुत ज्यादा सलाह देना काम नहीं करता। कभी–कभी आपको प्लान को आसान रखना पड़ता है, हर गेंद पर ध्यान देना होता है और उसी प्लान को सही तरीके से लागू करने की कोशिश करनी होती है।'

दीपिका-अतानु एशियन गेम्स की भारतीय तीरंदाजी टीम से बाहर

ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार

धीरज-ज्योति सुरेखा टॉप पर रहे

सोनीपत (एजेंसी)। 4 बार की ओलिंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनुदास को एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में जगह नहीं मिली। दोनों सोनीपत के साई सेंटर में आयोजित 3 दिनी ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार गए। भारतीय तीरंदाजी संघ ने ट्रायल के बाद जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया। रिकर्व कैटेगरी में दीपिका कुमारी और अतानु चौथे स्थान पर रहे, इसलिए वे एशियन गेम्स टीम से बाहर हो गए। कंपाउंड में अभिषेक वर्मा भी एशियाड का टिकट हासिल नहीं कर सके। तीसरे और आखिरी स्थान के लिए अनुभवी दीपिका कुमारी और युवा ओलिंपियन अंकिता भकत के बीच कांटे की टक्कर हुई। शुरुआती तीन राउंड्स के बाद दोनों 10.75 पॉइंट्स पर बराबरी पर थीं। शूट-ऑफ में अंकिता ने बाजी मारी और एशियन गेम्स टीम का तीसरा व आखिरी बर्थ हासिल किया।

19 साल की कीर्ति शर्मा टॉप पर रहीं, कुमकुम दूसरे नंबर पर रहीं – महिलाओं के रिकर्व सेक्शन में युवाओं ने सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ दिया। 19 साल की तीरंदाज कीर्ति शर्मा ने ट्रायल्स में 13.5 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं महाराष्ट्र की तीरंदाज कुमकुम मोहोद दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों ने सीधे एशियन गेम्स टीम में जगह पक्की की।

दीपिका लगातार दूसरे एशियाड से बाहर, वर्ल्डकप टीम में जगह

दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में नहीं खेल पाएंगी। वे 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में वे बेटी के जन्म के कारण हिस्सा नहीं ले सकी थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन और कई वर्ल्ड कप मेडल जीतने वाली दीपिका ने 2010 से अब तक तीन एशियन गेम्स खेले हैं, लेकिन वे कभी इंडिविजुअल मेडल नहीं जीत सकी हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2010 ग्वांगझू गेम्स का टीम ब्रॉन्ज मेडल था। चौथे स्थान पर रहने के कारण दीपिका वर्ल्ड कप सर्किट के तीसरे और चौथे स्टेज के लिए भारतीय टीम में बनी रहेंगी। दरअसल, वर्ल्ड कप के लिए 4 तीरंदाज चुने जाते हैं, जबकि एशियन गेम्स में केवल टॉप-3 को मौका मिलता है।

22 साल का इंतजार खत्म, आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग का खिताब

बोर्नमाउथ (इंग्लैंड)(एजेंसी)। आर्सेनल ने आखिरकार 22 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद आर्सेनल आधिकारिक रूप से चैंपियन बन गया। मैनचेस्टर सिटी को खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी, लेकिन वाइटलिटी स्टेडियम में टीम ऐसा करने में नाकाम रही। मैच ड्रॉ होते ही आर्सेनल ने अंक तालिका में चार अंकों की अजेय बढ़त बना ली और ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। आर्सेनल ने इससे पहले आखिरी बार 2004 में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। इसके बाद क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्रॉफी जीतने का सपना अधूरा रह गया। इस बार टीम ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया और आखिरकार इतिहास रच दिया। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला की लगातार खिताब जीतने की उम्मीद भी इसी के साथ खत्म हो गई। पिछले कुछ सालों से इंग्लिश फुटबॉल में दबदबा बनाने वाली सिटी इस बार आर्सेनल को रोक नहीं पाई। आर्सेनल के चैंपियन बनने की खबर सामने आते ही क्लब के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लंदन में एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हो गए और देर रात तक जश्न मनाते रहे।

अपने हाथों को भी सुंदर बनाइए

जिस प्रकार चेहरा आपके व्यक्तित्व का आइना है उसी प्रकार खूबसूरत हाथ भी व्यक्तित्व का आइना होते हैं।

प्राय: महिलाएं चेहरे की खूबसूरती का तो पूरा ध्यान रखती हैं मगर हाथों की देखभाल के प्रति पूर्णतय: असावधानी व लापरवाही रखती हैं। यह वास्तविकता हैं कि हाथों से ही व्यक्ति की आयु का पता चलता है। हाथों का हमारे जीवन में कितना महत्व है, यह हम भली-भांति जानते और समझते हैं। तो फिर क्यों न हाथों की सुरक्षा की ओर ध्यान दिया जाए। हाथ भी तो हमारे व्यक्तित्व का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। हाथों को खूबसूरत बनाने के कुछ उपयोगी टिप्स इस प्रकार हैं।

- नींबू के रस में शहद मिला कर नियमित हाथों पर मलने से हाथों की रंगत में निखार आ जाता है।
- ग्लिसरिन और गुलाब जल का मसाज भी हाथों को नर्म और मुलायम बनाता है।
- शहद और संतरे का रस बराबर मात्रा में मिला कर लगाने से हाथों की त्वचा साफ और खूबसूरत होती है।
- हाथों को नर्म और मुलायम बनाने के लिए मोइश्चराइजर का प्रयोग भी उपयोगी रहता है।
- टमाटर का गूदा मलने से भी हाथ नर्म और मुलायम हो जाते हैं।
- अंड की सफेदी में थोड़ी-सी फिटकरी मिला कर हाथों पर रगड़ने से हाथों की रंगत में निखार आता है।

अनोखा अंदाज साड़ी का

भारतीय महिलाओं की सनातन पोशाक साड़ी को पहनने का अंदाज अब बदल चुका है। शादियों के सीजन में इन नई स्टाइल को कोई भी अपना सकता है। आप भी जानिए साड़ी के निराले अंदाज को..

लुंगी ड्रेप यह तरीका भारी पल्लू वाली साड़ियों के लिए है। सामान्य तरह से बांधी गई साड़ी में 7-8 प्लीट्स दें। पल्लू को कंधे पर लेने के बजाए इसे प्लीट्स के बाद फिर लपेट दें, जिससे भारी काम सामने की तरफ आकर हाइ लाइट हो जाए।

चोकर ड्रेप ब्लाउज पर भारी काम वाली साड़ियों के लिए यह स्टाइल है, इसमें सामान्य अंदाज में साड़ी पहनकर 7-8 प्लीट्स देकर पल्लू को बाएं कंधे से दुपट्टे की तरह लटकाएं। यह जरा अलग तरह का लुक देगा।

नॉट ड्रेप ब्लाउज पर जरदोजी और साड़ी पर जड़ाऊ या कुंदन का काम होने पर यह स्टाइल अपनाएं। पल्लू को कंधे पर ले जाने के बजाए कमर के बाएं तरफ गांठ के आकार में लगाइए। बचे हुए पल्लू को दाएं कंधे पर ले जाकर करीने से पिनअप कीजिए, ताकि पूरे कार्यक्रम के दौरान साड़ी बराबर जमी रहे।

रिस्ट-पिन ड्रेप पल्लू का बॉर्डर जरदोजी के काम वाला होने पर इस अंदाज को अपनाएं। इसमें पल्लू को दाएं हाथ के नीचे से ले जाकर गर्दन के पीछे से लाते हुए बाएं हाथ की कलाई में पिन-अप कर लें।

स्लिट साड़ी ड्रेप इसे सामान्य भाष में सिली हुई साड़ी कह सकते हैं, इसकी प्लीट्स सिल दी जाती हैं ताकि पहनने में आसानी हो और वक्त भी न लगे। सामान्य साड़ी पहनने के बाद पल्लू को दाएं हाथ के नीचे से लाकर बाएं कंधे तक लाएं। ऐसी साड़ियों में साइट में स्लिट भी दी जाती है।

पालिए सपने जीत के

गर आप छूना चाहती हैं आसमान, बनाना चाहती हैं भीड़ में अपनी एक अलग पहचान, बुलंद इरादों को देना चाहती हैं ऊँची उड़ान, तो कदम-दर-कदम कीजिए प्रयास कुछ इस तरह-

सृजन एक सपने का-

किसी ने सच कहा है कि 'सपने आपकी चरम उपलब्धियों के ब्लू प्रिंट होते हैं, इन्हें अपनी आत्मा में शिशु की तरह सहेजकर रखें।' अपनी क्षमताओं के परिप्रेक्ष्य में तयशुदा लक्ष्य का ठोस, सुस्पष्ट एवं काल्पनिक रेखाचित्र मस्तिष्क में बना लें और शिखर पर पहुँच जाने के रोमांच को अपनी कल्पनाओं में महसूस करें। यह अहसास किसी चुंबक की तरह आपको आकर्षित करता रहेगा, मंजिल की तरफ कदम बढ़ाने के लिए। इसी बात को एक स्थापित लेखक अपने अनोखे अंदाज में कहते हैं- 'सपनों के काँच से ही यथार्थ की चट्टान को काटा जा सकता है।'

शुरुआत तो कीजिए-

कई बार सिर्फ शुरुआत की कशमकश में साल-दर-साल चुकते चले जाते हैं। एक अनजाना डर, झिझक और दुविधा शुरुआत न करने की वजह बन जाते हैं। इसी बात को एक विद्वान चुटीले अंदाज में कहते हैं, 'अगर आप किसी ऊँची चट्टान पर चढ़ना चाहते हैं तो इस इंतजार में समय बरबाद मत कीजिए कि किसी दिन शायद वह चट्टान छोटी हो जाएगी।' इस गलतफहमी से भी बचें कि जब पूरे तामझाम के साथ बड़े पैमाने पर किसी काम की शुरुआत की जाएगी तो यकायक सफलताएँ हासिल हो जाएँगी। एक छोटी-सी शुरुआत से मिली सफलता आपके उस बड़े लक्ष्य की पूर्ति में मील का पत्थर साबित होगी, जो आप अपने सपनों में सँजो चुके हैं।

महत्वपूर्ण है मौलिकता-

किसी तयशुदा क्षेत्र में दक्षता हासिल कर शिखर तक पहुँचने में मौलिकता का गुण बेहद महत्वपूर्ण है। आप चयनित क्षेत्र से जुड़े सफल व्यक्तियों से मार्गदर्शन तो लें, परंतु सिर्फ उन्हीं के छोड़े पैरों के निशानों को अपना लक्ष्य न बनाएँ बल्कि अपनी मौलिक प्रतिभा का दोहन कर विशिष्ट कार्यप्रणाली विकसित करें। इस कोशिश से कई नई संभावनाएँ जन्म लेंगी जिन पर आप अपने अभिनव और अनूठे प्रयोग कर पाएँगी। बेशक ये प्रयोग आपको निपुणता की ओर ले जाएँगे।

वर्क इज वरशिप का सिद्धांत-

एक नामचीन विद्वान लिखते हैं, 'तुम अपने पेशे को सिर्फ अपनी आजीविका मत समझो बल्कि इसे अपना मिशन समझो और इस मिशन में सफल होने के लिए सिर्फ कड़ी मेहनत नहीं, बल्कि पूर्ण रूप से शामिल होने का पक्ष भी महत्वपूर्ण है।' जब आप अपने मकसद के साथ पूरी तरह से जुड़ जाएँगे तो आपकी संपूर्ण ऊर्जा अपने श्रेष्ठतम स्वरूप में प्रकट होगी, जो आपको पूर्णता की ओर ले जाएगी।

जोड़ें खुशियों के तार, संकल्पों के साथ-

एक सफलतम चित्रकार से जब उनकी ढेरों उपलब्धियों का राज पूछा गया तो उन्होंने संक्षिप्त उत्तर दिया- 'मैंने कला को आनंद और आनंद को कला बना लिया है।' ऐसे ढेरों उदाहरण हैं, जब लोगों ने सिर्फ व्यक्तिगत आनंद के लिए अपनी अभिरुचियों को अनूठा स्वरूप दिया और सिर्फ अपनी खुशी के लिए चुनी गई इन अभिरुचियों ने उन्हें शिखर पर पहुँचा दिया। इसलिए अपने संकल्पों के साथ आनंद की जुगलबंदी कर दीजिए, फिर देखिए न सिर्फ आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि गुणवत्ता में भी दिन-ब-दिन इजाफा होगा।

जो राह चुनी तूने...

किसी पारखी ने बड़े रोचक अंदाज में समझाया है कि 'डाक टिकट अपनी सफलता इसलिए सुनिश्चित कर लेता है, क्योंकि उसमें एक ही चीज से चिपके रहने की क्षमता है जब तक कि वह अपने गंतव्य तक नहीं पहुँच जाता।' अपने लिए सर्वाधिक उपयुक्त लक्ष्य निर्धारित कीजिए और उसके साथ निरंतर जुड़े रहिए। बेशक, यह जुड़ाव आपको सफलता के शिखर तक पहुँचा देगा।

सौंदर्य निखार के कुछ कारगर टिप्स

- लगातार गहरे रंग की नेल पॉलिश लगाने से नाखूनों पर धब्बे पड़ सकते हैं इसलिए सप्ताह में एक-दो दिन नाखूनों को सादे ही छोड़ दें।
- चेहरा धोने के पश्चात चेहरे को बहुत रगड़ कर न पौंछें, किसी नर्म तौलिए से थपथपा कर सुखाएं। आंखों तथा होंठों के इर्द-गिर्द की त्वचा का तो विशेष ध्यान रखें। हमेशा उंगलियों के पोरों से यहां की त्वचा जल्दी ही शुष्क पड़ती है।
- अगर आपको अपने सौंदर्य की देखभाल के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता तो आप रसोई में काम करते समय टमाटर का रस या दही आदि को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। काम के साथ-साथ चेहरा भी संवर जाएगा।
- शुष्क त्वचा पर सदैव मॉइश्चराइजर युक्त फाउंडेशन का प्रयोग करें।

मैंडरिन शेक

सामग्री : 2 कप ठंडा दूध, 3/4 ऑरेंज स्क्वैश, आधा कप मैंगो पल्प (आम का गूदा) या कोई भी मैंगे फ्लेवर्ड कोल्ड ड्रिंक, 1 कप वेनिला आइस्क्रीम, बर्फ का चूरा।

विधि : मैंगो पल्प और ऑरेंज स्क्वैश को मिक्स कर लें। इसमें दूध और थोड़ा-सा बर्फ का चूरा मिलाकर ब्लेंड कर लें। इसके बाद वेनिला आइस्क्रीम मिलाकर एक बार फिर ब्लेंड करके सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3895

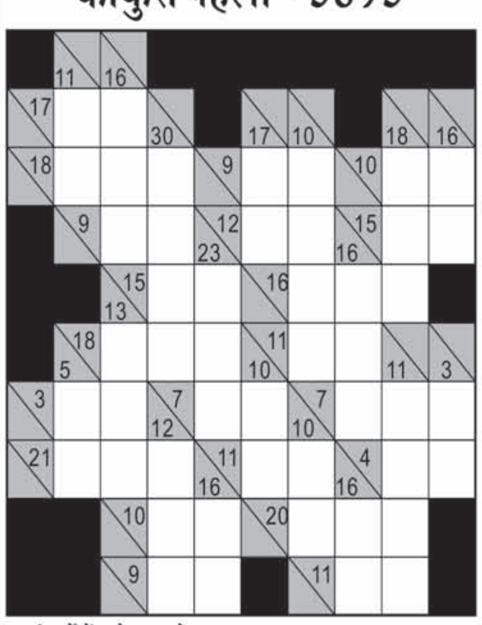

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

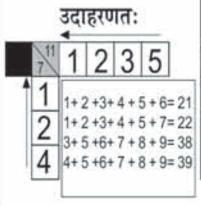

काकुरो -3894 का हल

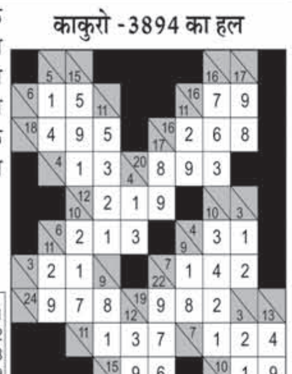

लॉफिंग जोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3895

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3894

सूडोकु -3895

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3894 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 3895

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -3894 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी